PLANET NEWS INDIA
Follow us on:/

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■अलीगढ, शुक्रवार, 11 सितंबर 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

पीएनजी कनेक्शन के लिए अक्तूबर से शुरू होगा पोर्टल

किफायती पाइपलाइन गैस (पीएनजी) का कनेक्शन लेने की प्रक्रिया अक्तूबर महीने से पूरी तरह ऑनलाइन हो जाएगी। इसके लिए विशेष पोर्टल लॉन्च किया जाएगा। इस पोर्टल के जरिये शहर के प्रमुख इलाकों में रहने वाले लोग घर बैठे ही पीएनजी कनेक्शन के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इंडियन ऑयल अदाणी गैस के एरिया सेल्स मैनेजर आलोक कुमार गिरि के अनुसार, शहर के लगभग 10 प्रमुख क्षेत्रों में पीएनजी की मुख्य पाइपलाइन बिछाने का काम पूरा हो चुका है। इनमें इंजीनियर कॉलोनी, ओजोन सिटी, सांगवान सिटी, स्वर्ण जयंती नगर, स्थानीय अपार्टमेंट और कयामपुर समेत कई अन्य रिहायशी इलाके शामिल हैं।

अब तक 2100 कनेक्शन जारी

कंपनी की ओर से अब तक शहर में कुल 2100 पीएनजी कनेक्शन दिए जा चुके हैं। वर्तमान में बिछाई जा चुकी लाइनों के माध्यम से 3500 और नए कनेक्शन दिए जाने की योजना है। पोर्टल शुरू होने के बाद इन क्षेत्रों के निवासी आसानी से आवेदन कर सकेंगे।

सिलिंडर वापसी की प्रक्रिया भी जारी

पीएनजी नेटवर्क के विस्तार के साथ ही इन इलाकों में एलपीजी गैस सिलिंडर वापस लेने की प्रक्रिया भी चल रही है। यहां पाइपलाइन से आपूर्ति शुरू हो चुकी है। कंपनी अधिकारियों का कहना है कि सिलिंडर वापस करने के लिए उपभोक्ताओं को पहले ही तीन महीने का नोटिस दिया गया था और फिलहाल उसी निर्धारित अवधि के पूरा होने का इंतजार किया जा रहा है।

चार घंटे नगर निगम के गेट पर किसानों ने दिया धरना

नगर निगम की अनियमितताओं और मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर गलत आख्या दिए जाने के विरोध में संयुक्त श्रमिक किसान मोर्चा ने बृहस्पतिवार को नगर निगम कार्यालय के मुख्य द्वार पर मौन धरना दिया। किसान ज्ञापन लेने के लिए नगर आयुक्त को बुलाने की मांग पर अड़ गए। करीब चार घंटे तक किसानों का धरना जारी रहा। बाद में अपर नगर आयुक्त राकेश यादव को ज्ञापन के साथ गुलाब देकर गांधीगिरी भी दिखाई। चेतावनी दी कि 17 सितंबर तक टेंडर की आधिकारिक प्रति जारी नहीं हुई तो नगर निगम कार्यालय में तालाबंदी करने के साथ कलक्ट्रेट पर आमरण अनशन किया जाएगा।

मोर्चा के संस्थापक जितेंद्र शर्मा के नेतृत्व में तीन वार्डों की समस्याओं के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने मुंह पर काली पट्टी बांधकर और हाथों में गुलाब का फूल लेकर विरोध जताया। जितेंद्र शर्मा ने बताया कि वार्ड संख्या 38, 48 और 65 की करीब 40 हजार परिवारों के अधिकारों को लेकर यह प्रदर्शन किया गया।किसानों के ज्ञापन में करीब 9.54 करोड़ रुपये की लागत से भूमिगत नाला और चंदनिया श्मशान मार्ग के स्थायी निर्माण की मांग उठाई गई। अपर नगर आयुक्त ने मांगों को जल्द पूरा कराने का आश्वासन दिया।

छात्र पर धर्मांतरण और शादी के लिए दबाव बनाने का आरोपहुआ हंगामा

डीएस कॉलेज में एक छात्रा ने सहपाठी पर धर्मांतरण और शादी करने के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है। छात्रा के अनुसार मुजफ्फरनगर का रहने वाले मोहम्मद असद ने बात न मानने पर जान से मारने की धमकी भी दी है। इस मामले में बृहस्पतिवार को छात्रा के साथियों ने हंगामा किया। पुलिस ने पीड़ित छात्रा की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

छात्रा बृहस्पतिवार को कॉलेज में पढ़ाई के लिए पहुंची थी। इसी दौरान किसी ने उसके बैग में गिफ्ट रख दिया। इस पर छात्रा और उसके साथियों ने आपत्ति जताई और हंगामा करने लगे। सभी इस हरकत के लिए आरोपी छात्र को दोषी ठहराने लगे। कॉलेज प्रशासन के लोग भी मौके पहुंचे। तब तक छात्र के परिजन और छात्र नेता भी कॉलेज पहुंच गए। आरोप है कि इन्होंने आरोपी युवक के साथ मारपीट की। पुलिस ने किसी तरह से युवक को बचाया।

चिकित्सक की हार्ट अटैक से मौत

तेज खांसी के साथ हुईं थीं खून की उल्टियां आरोग्य मंदिर में थे तैनात

परिजन के अनुसार तेज खांसी के साथ खून की उल्टियां हुईं और डॉ अभिषेक सिंह अचेत हो गए। परिजन उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। गोंडा क्षेत्र के आयुष्मान आरोग्य मंदिर (अर्बन हेल्थ सेंटर) महफूज नगर के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉक्टर अभिषेक सिंह का बृहस्पतिवार की सुबह चार बने निधन हो गया। वह कस्बा निवासी डॉक्टर सुरेश चंद्र के बड़े पुत्र और अविवाहित थे। लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त करने के बाद तीन वर्ष से अर्बन हेल्थ सेंटर का कार्यभार संभाल रहे थे। परिजन के अनुसार तेज खांसी के साथ खून की उल्टियां हुईं और वह अचेत हो गए। परिजन उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर महफूज नगर में थी तैनाती

कस्बे में उनके शव का अंतिम संस्कार किया गया। प्रभारी गोंडा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. विकास कुमार के अनुसार सुबह के समय हृदयगति प्रभावित होती है। संभावना है कि उनकी मौत हृदयाघात से हुई हो।

रैगिंग का विरोध करने पर बीएससी नर्सिंग के छात्र के साथ मारपीट

बन्नादेवी थाना क्षेत्र स्थित साईं मेडिकल कॉलेज में रैगिंग का विरोध करने पर बीएससी नर्सिंग के एक छात्र के साथ मारपीट की गई। पीड़ित की शिकायत पर थाना बन्ना देवी में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

गभाना के मढ़ौला गांव के रहने वाले हिमांशु, जो कॉलेज में बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष के छात्र हैं। छुट्टी के बाद घर लौट रहे थे तभी एक सीनियर छात्र ने रास्ते में रोक लिया। आरोप है कि रैगिंग का दबाव बनाते हुए सीनियर ने अपने तीन अन्य साथियों को भी बुला लिया और हिमांशु पर हमला बोल दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना का पीड़ित छात्र ने अपने मोबाइल में वीडियो भी रिकॉर्ड कर लिया।

घटना के बाद कॉलेज परिसर में हड़कंप मच गया। सीओ धनंजय कुमार के मुताबिक पीड़ित हिमांशु की शिकायत पर पुलिस ने मुख्य आरोपी हर्षित और तीन अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और वीडियो के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। ब

तलवार लेकर युवक ने मचाया आतंक

गर्भवती ने कमरे में छिपकर बचाई जान

क्वार्सी थाना क्षेत्र में एक युवक द्वारा हाथ में तलवार लेकर पड़ोसी के घर के बाहर हंगामा और पथराव करने का मामला सामने आया है। घटना के दौरान घर में अकेली गर्भवती महिला ने खुद को कमरे में बंद कर अपनी जान बचाई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया है।

बताया गया कि युवक तलवार लेकर घर के बाहर पहुंचा और हंगामा करते हुए ईंट-पत्थर बरसाने लगा। अचानक हुए पथराव से घर के अंदर मौजूद महिला घबरा गई। उसने तत्काल कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और काफी देर तक वहीं छिपी रही। घटना से आसपास के लोगों में भी दहशत फैल गई। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस सक्रिय हुई। सीओ सर्वम सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो का संज्ञान लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी युवक की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

यूपी: आठ स्टार्टअप बने यूनिकॉर्न

छोटे स्तर से शुरू होकर अरबों डॉलर के मूल्यांकन तक पहुंचीं कंपनियां

यूपी में में वर्तमान में 24,000 से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हैं। वर्ष 2017 से पहले इनकी संख्या केवल 120 थी। यूपी देश का चौथा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है और सभी 75 जिलों में कम से कम एक स्टार्टअप सक्रि उत्तर प्रदेश की पहचान अब केवल पारंपरिक उद्योगों तक सीमित नहीं है। प्रदेश से निकले आठ स्टार्टअप एक अरब डॉलर से अधिक के मूल्यांकन वाले यूनिकॉर्न बन चुके हैं, जबकि एक अन्य कंपनी सूनिकॉर्न की कतार में है। आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की सूची में पेटीएम, फिजिक्सवाला, पाइनलैब्स, इंफोएज, मॉजलिक्स, इंडियामार्ट, इनोवेसर और रेटगेन यूनिकॉर्न हैं। रैफे एमफिन सूनिकॉर्न है। इन कंपनियों को यूनिकॉर्न बनने में 10 से 25 साल लगे।

वर्ष 2000 में शुरू हुआ पेटीएम आज बड़े डिजिटल वित्तीय मंचों में शामिल है। वित्त वर्ष 2025-26 में इसका परिचालन राजस्व 8,437 करोड़ रुपये और सालाना शुद्ध लाभ552 करोड़ रुपये रहा। फिजिक्सवाला ने 2016 में यूट्यूब चैनल से शुरुआत की और 2020 में कंपनी के रूप में स्थापित हुआ। आज यह ऑनलाइन, ऑफलाइन और हाइब्रिड शिक्षा का प्रमुख मंच है। पाइनलैब्स की शुरुआत 1998 में हुई थी। यह डिजिटल भुगतान और मर्चेंट कॉमर्स के क्षेत्र में प्रमुख कंपनी है। मार्च 2026 तक इसके करीब 5,357 कर्मचारी थे। वर्ष 1995 में शुरू हुई इंफोएज ने नौकरी डॉट कॉम से सफर शुरू किया और बाद में विवाह, रियल एस्टेट और शिक्षा समेत कई क्षेत्रों में विस्तार किया। वित्त वर्ष 2025-26 में इसका समेकित शुद्ध राजस्व करीब 3,285 करोड़ रुपये रहा। मॉजलिक्स ने बी2बी ई-कॉमर्स, इंडियामार्ट ने कारोबारियों को ऑनलाइन खरीदारों से जोड़ने और रेटगेन ने यात्रा व होटल उद्योग के लिए सॉफ्टवेयर समाधान विकसित कर पहचान बनाई। रेटगेन में करीब 800-1,000 कर्मचारी हैं और इसका राजस्व करीब 293 करोड़ रुपये रहा। इनोवेसर का मुख्यालय सैन फ्रांसिस्को में है, जबकि नोएडा और बंगलूरू में प्रमुख संचालन है। मार्च 2026 में कंपनी में करीब 2,515 कर्मचारी थे। प्रदेश में वर्तमान में 24,000 से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हैं। वर्ष 2017 से पहले इनकी संख्या केवल 120 थी। यूपी देश का चौथा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है और सभी 75 जिलों में कम से कम एक स्टार्टअप सक्रिय है।

एक अरब डालर की कंपनी बनती है यूनिकॉर्न

यूनिकॉर्न वह निजी स्टार्टअप है जिसका मूल्यांकन कम से कम एक अरब डॉलर यानी करीब 8,900 करोड़ रुपये हो। सूनिकॉर्न के जल्द यूनिकॉर्न बनने की संभावना होती है। इन कंपनियों में पेटीएम का राजस्व करीब 7,000 करोड़, फिजिक्सवाला 2,000 करोड़, पाइनलैब्स 1,500 करोड़, इंफोएज 3,900 करोड़, मॉजलिक्स 5,700 करोड़, इंडियामार्ट 1,380 करोड़, इनोवेसर 1,250 करोड़, रेटगेन 1,000 करोड़ और रैफे एमफिन 268 करोड़ रुपये है।

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रमुख सचिव आलोक कुमार का कहना है कि प्रदेश में स्टार्टअप नीति के जरिये निवेश और विस्तार के अवसर उपलब्ध कराकर कारोबारी माहौल को बेहतर बनाया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य यूपी के स्टार्टअप को राष्ट्रीय और वैश्विक पहचान दिलाना है, जिसमें एआई, डीप-टेक, इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य तकनीक जैसे क्षेत्रों पर विशेष जोर रहेगा।

वर्ष 2000 में शुरू हुआ पेटीएम आज बड़े डिजिटल वित्तीय मंचों में शामिल है। वित्त वर्ष 2025-26 में इसका परिचालन राजस्व 8,437 करोड़ रुपये और सालाना शुद्ध लाभ552 करोड़ रुपये रहा। फिजिक्सवाला ने 2016 में यूट्यूब चैनल से शुरुआत की और 2020 में कंपनी के रूप में स्थापित हुआ। आज यह ऑनलाइन, ऑफलाइन और हाइब्रिड शिक्षा का प्रमुख मंच है।

मायावती का सपा-कांग्रेस पर तंज:

नीला रंग अपनाने से जातिवादी सोच नहीं बदलेगी, समधी पर भी बोला हमला

बसपा सुप्रीमो मायावती ने सपा-कांग्रेस पर नीला रंग अपनाने को लेकर तंज कसा और कहा कि इससे वो बहुजन हितैषी नहीं बन जाएंगे। वहीं, समधी अशोक सिद्धार्थ पर भी हमला बोला। बसपा सुप्रीमो मायावती ने सपा-कांग्रेस पर हमलावर होते हुए कहा कि नीला रंग अपनाने से विपक्षी दलों की जातिवादी सोच नहीं बदलेगी। बहुजन समाज के हित के लिए पहले अपना दिल और दिमाग साफ करें। वहीं, उन्होंने समधी अशोक सिद्धार्थ पर भी हमला बोला। मायावती ने कहा कि आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ ने दबाव पड़ने के बाद भी राजनीति से सन्यास की घोषणा नहीं की जब उन्हें लगा कि ज्यादा बड़ा नुकसान हो सकता है तो उन्हें ये घोषणा करनी पड़ी।

मायावती ने एक्स पर कहा कि उन्होंने कहा कि सपा, कांग्रेस व अन्य विरोधी पार्टियों के नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा बीएसपी का शुरु से ही चला आ रहा नीला रंग अब यह इनके गले का गमछा व कपड़े पहनने से तथा स्टेज आदि में भी नीला कपड़ा इस्तेमाल करने से इनकी सर्वसमाज में से खासकर ग़रीबों, दलितों, आदिवासियों, पिछड़े व अन्य उपेक्षित वर्गों के प्रति वर्षों से चली आ रही इनकी जातिवादी, संकीर्ण, सामन्तवादी एवं पूँजीवादी सोच नहीं बदल सकती है तथा ना ही ये लोग दिल से अम्बेडकरवादी होने एवं कहलाने वाले हैं। इसीलिये 'बहुजन समाज' के वास्तविक हित व कल्याण के प्रति पहले वे अपना दिल व दिमाग तो पाक-साफ करें। उन्होंने कहा कि ऐसी पार्टियां बिना किसी गठबन्धन के भी चुनाव नहीं लड़ सकती हैं तथा किसी भी पार्टी की सरकार बनने पर सरकार में शामिल हुए बिना भी नहीं रह सकती हैं।

वैसे भी ये लोग इन वर्गों के मामले में आए दिन गिरगिट की तरह ही रंग बदलते रहते हैं अर्थात् ये कहते कुछ हैं और करते उसके ठीक विपरीत हैं। खासकर इनके सपा के पीडीए के मामले में तो इनकी सोच, चाल, चरित्र व चेहरा आदि हमेशा दोगला व बईमान ही रहा है, जिसके अनेकों उदाहरण हैं, ये सभी जानते हैं। इसलिए इन वर्गों की एकमात्र हितैषी व अम्बेडकरवादी पार्टी केवल बीएसपी ही है, जो सर्वविदित है।उन्होंने आगे कहा कि यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अन्य पार्टियों की तरह बीएसपी के जो भी लोग पार्टी में अनुशासनहीनता आदि के कारण समय-समय पर निष्कासित कर दिये जाते हैं तो वे अधिकतर इन्हीं सब कारणों से अब तक कई पार्टी बदल चुके हैं, जो किसी से छिपा नहीं है। इसी से ही अन्दाजा लगा लेना चाहिये कि ये लोग पूरे स्वार्थी व अवसरवादी हैं और वे किसी भी पार्टी के हित में नहीं हो सकते हैं। इतना ही नहीं बल्कि जिनको पार्टी से निकाल दिया जाता है तो उनमें से कुछ लोग दूसरी पार्टियों के हाथों में खेलकर छोटी-छोटी पार्टियां व संगठन आदि भी बना लेते हैं, जिनसे 'बहुजन समाज' का सामूहिक हित नहीं हो सकता है।

अलनीनो बेअसर: कमजोर मानसून की आशंका के बीच ज्यादा बारिश

यूपी में सामान्य के मुकाबले 100.3% दर्ज हुई बारिश

मौसम विभाग की ओर से अलनीनो के कारण मानसून के कमजोर रहने की आशंका जताई गई थी, लेकिन एक के बाद एक सक्रिय कम दबाव के क्षेत्रों ने इस अनुमान को उलट दिया।

उत्तर प्रदेश में जिस मानसून से शुरुआत में मायूसी मिली, उसी ने अगस्त आते-आते ऐसी करवट ली कि मौसम विभाग का पूर्वानुमान गलत साबित हुआ। अलनीनो के असर से सामान्य से कम बारिश की आशंका के बीच प्रदेश में अब मानसून ने न केवल बारिश की कमी पूरी कर ली है, बल्कि सामान्य बारिश का आंकड़ा भी पार कर लिया है।

उत्तर प्रदेश में जिस मानसून से शुरुआत में मायूसी मिली, उसी ने अगस्त आते-आते ऐसी करवट ली कि मौसम विभाग का पूर्वानुमान गलत साबित हुआ। अलनीनो के असर से सामान्य से कम बारिश की आशंका के बीच प्रदेश में अब मानसून ने न केवल बारिश की कमी पूरी कर ली है, बल्कि सामान्य बारिश का आंकड़ा भी पार कर लिया है।

अगस्त की बारिश ने बदला पूरा खेल :

मौसम विभाग की ओर से अलनीनो के कारण मानसून के कमजोर रहने की आशंका जताई गई थी, लेकिन एक के बाद एक सक्रिय कम दबाव के क्षेत्रों ने इस अनुमान को उलट दिया। प्रदेश में कई बार ऐसे मौसमी सिस्टम बने, जिनसे अलग-अलग क्षेत्रों में भारी बारिश के दौर आए। जून-जुलाई में अपेक्षाकृत कम बारिश के बाद अगस्त में प्रदेश में 291.3 मिलीमीटर बारिश हुई, जबकि सामान्य बारिश 235.5 मिलीमीटर है। इस तरह अगस्त में सामान्य से 24 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। यह अगस्त 2018 के बाद सबसे अधिक बारिश वाले अगस्त में दूसरे स्थान पर रहा। वर्ष 2018 में अगस्त में 293.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई थी।

प्रदेश का औसत आंकड़ा भले ही सामान्य से थोड़ा ऊपर पहुंच गया हो, लेकिन जिलों में बारिश का वितरण बेहद असमान रहा। चित्रकूट में 1201.1 मिलीमीटर बारिश हुई। जो प्रदेश में सर्वाधिक है। इसके उलट कुछ जिले अब भी बारिश की कमी से जूझ रहे हैं। कुशीनगर में 204.6 मिलीमीटर बारिश हुई है, जो सामान्य से करीब 67 प्रतिशत कम है। मऊ में भी करीब 53 प्रतिशत बारिश की कमी है।

सीतापुर: चबूतरा तोड़ने के विरोध में भाजपा कार्यकर्ता व पुत्र को हिरासत में लिया

सीतापुर की शहर कोतवाली क्षेत्र के रम्पा रोड पर अतिक्रमण हटाने के दौरान मंदिर का चबूतरा तोड़े जाने को लेकर देर रात मामला बढ़ गया। कार्रवाई का विरोध करने पर हिरासत में लिए गए पिता-पुत्र की जानकारी मिलने पर नगर विकास राज्यमंत्री राकेश राठौर गुरु सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ देर रात शहर कोतवाली पहुंच गए। उन्होंने अधिकारियों से दोनों को रिहा करने की मांग की। देर रात बातचीत के बाद पुलिस ने पिता जितेंद्र मिश्रा और उनके बेटे शुभम मिश्रा को छोड़ दिया। मंत्री दोनों को अपनी गाड़ी से घर लेकर पहुंचे। रम्पा रोड पर सड़क चौड़ीकरण के लिए नगर पालिका की टीम अतिक्रमण हटाने पहुंची थी। इसी दौरान मंदिर के सामने बने चबूतरे को तोड़ा गया। पिता-पुत्र ने इसका विरोध किया। आरोप है कि इसी दौरान उनकी प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस से कहासुनी हो गई। इसके बाद पुलिस दोनों को शहर कोतवाली ले आई। गुंडे माफिया को मिलती है कुर्सी : मंत्री आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गुंडे-माफिया को कोतवाली में कुर्सी और बादाम दिए जाते हैं, जबकि भाजपा कार्यकर्ताओं को फर्श पर बैठाया जाता है।

ब्रिक्स के लिए दिल्ली तैयार:15,000 जवान रहेंगे तैनात, विदेशी उड़ानों के लिए पियर सी खुला; मेट्रो सेवा सामान्य

विशेष पुलिस आयुक्त (सुरक्षा प्रभाग) मनीष कुमार अग्रवाल ने कहा कि जनता को कम से कम असुविधा और गणमान्य व्यक्तियों के लिए अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित हो, इसके लिए व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं।

दिल्ली पुलिस ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की है। इस दौरान राष्ट्रीय राजधानी में लगभग 15,000 कर्मियों और अर्धसैनिक बलों की 200 कंपनियों को तैनात किया जाएगा। विशेष पुलिस आयुक्त (सुरक्षा प्रभाग) मनीष कुमार अग्रवाल ने कहा कि जनता को कम से कम असुविधा और गणमान्य व्यक्तियों के लिए अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित हो, इसके लिए व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था के संबंध में अग्रिम परामर्श भी जारी किया है।

विशेष आयुक्त ने कहा कि कानून-व्यवस्था, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के लिए बड़े पैमाने पर तैनाती की जाएगी। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे, होटलों और निर्धारित समेत अन्य स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था की गई है जहां गणमान्य व्यक्तियों का दौरा हो सकता है। अधिकारी ने कहा कि शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल भारत मंडपम में सतर्कता एवं मजबूत उपायों के साथ बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

विशेष पुलिस आयुक्त अग्रवाल ने कहा कि खुफिया जानकारी को संबंधित एजेंसियों के साथ साझा किया जाएगा। समिट में कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री, विदेशी प्रतिनिधि और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के अधिकारी शामिल होंगे। उनकी सुरक्षा के साथ-साथ आम लोगों को कम से कम परेशानी हो, इसके लिए पुलिस ने पहले से ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है।

एयरपोर्ट से होटल तक कड़ी निगरानी

विदेशी मेहमानों के एयरपोर्ट पहुंचने से लेकर उनके होटल और कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने के दौरान सुरक्षा का खास ध्यान रखा जाएग। भारत मंडपम और प्रमुख होटलों में एंट्री-एग्जिट की जांच, निगरानी, सर्विलांस और वेरिफिकेशन की व्यवस्था की गई है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमों को भी तैयार रखा गया है। दिल्ली पुलिस ने आसपास के राज्यों के साथ भी सुरक्षा को लेकर समन्वय किया है, ताकि दूसरे राज्यों से आने-जाने वाले वाहनों और लोगों की आवाजाही पर नजर रखी जा सके।

ड्रोन उड़ाने पर रोक

समिट के दौरान सुरक्षा के लिहाज से तय इलाकों में ड्रोन या किसी भी तरह के अनधिकृत फ्लाइंग ऑब्जेक्ट को उड़ाने की अनुमति नहीं होगी। पुलिस ऐसे इलाकों में आसमान से होने वाली गतिविधियों पर भी नजर रखेगी।

कंट्रोल रूम से होगी निगरानी

वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान कमांड और कंट्रोल रूम से पूरे सुरक्षा इंतजाम की निगरानी की जाएगी। कैमरों और दूसरे निगरानी सिस्टम के जरिए रास्तों पर नजर रखी जाएगी। किसी जगह इमरजेंसी, एंबुलेंस की जरूरत या अचानक ट्रैफिक समस्या होने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने साफ किया है कि सभी रास्ते लगातार बंद नहीं रहेंगे। प्रतिबंध वीवीआईपी मूवमेंट के समय और जरूरत के मुताबिक ही लगाए जाएंगे। आम लोगों से अपील की गई है कि वो प्रभावित रास्तों से बचें और वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें।

नेशनल लोक अदालत और कोर्ट की सुनवाई के लिए नई तारीखों का एलान

ट्रैफिक पुलिस ने बृहस्पतिवार को एक पब्लिक एडवाइजरी जारी की। इसमें ब्रिक्स समिट से पहले नेशनल लोक अदालत (जो पहले 12 सितंबर को होनी थी) की तारीख बदलने और राजधानी में कोर्ट की सुनवाई के लिए वैकल्पिक तारीखों की जानकारी दी गई।

ट्रैफिक पुलिस ने बृहस्पतिवार को एक पब्लिक एडवाइजरी जारी की। इसमें ब्रिक्स समिट से पहले नेशनल लोक अदालत (जो पहले 12 सितंबर को होनी थी) की तारीख बदलने और राजधानी में कोर्ट की सुनवाई के लिए वैकल्पिक तारीखों की जानकारी दी गई।

दिल्ली एयरपोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए पियर सी खोला

राजधानी में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले टर्मिनल-3 पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए पियर सी खोल दिया है।

मानसून का कहर: हिमाचल प्रदेश में बारिश से 70 सड़कें बंद दो बिजली ट्रांसफार्मर और 2 पेयजल योजनाएं प्रभावित

हिमाचल प्रदेश में बारिश का दौर जारी है और इसके कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा है। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (SEOC) की 11 सितंबर 2026 को सुबह 10 बजे जारी रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में 70 सड़कें बंद हैं। इसके अलावा दो बिजली ट्रांसफार्मर (DTR) और दो पेयजल आपूर्ति योजनाएं भी बाधित हैं। सबसे ज्यादा सड़कें मंडी जिले में बंद हैं, जबकि शिमला में बिजली और पानी की व्यवस्था पर भी असर पड़ा है।

जिला स्तर पर जारी रिपोर्ट के मुताबिक मंडी में 30 सड़कें बंद हैं। इनमें सराज उपमंडल की 25, सुंदरनगर की एक, सरकाघाट की तीन और थलौट की एक सड़क शामिल है। कुल्लू में 11 सड़कें प्रभावित हैं। इनमें कुल्लू उपमंडल की चार, बंजार की दो, आनी की तीन और निरमंड की दो सड़कें हैं।

शिमला जिले में 11 सड़कें बंद हैं। इनमें रामपुर की दो, जुब्बल की आठ और सुन्नी की एक सड़क शामिल है। कांगड़ा में भी 10 सड़कें बंद हैं, जिनमें कांगड़ा उपमंडल की दो, शाहपुर की पांच, पालमपुर की दो और देहरा की एक सड़क शामिल है।

सिरमौर में चार और ऊना में तीन सड़कें बंद हैं। लाहौल-स्पीति में उदयपुर उपमंडल की एक सड़क प्रभावित है। बिलासपुर, चंबा, हमीरपुर, किन्नौर और सोलन में रिपोर्ट के अनुसार कोई सड़क बंद नहीं है। राज्य में बंद सड़कों की कुल संख्या 70 है और इनमें कोई राष्ट्रीय राजमार्ग शामिल नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार शिमला जिले में दो बिजली ट्रांसफार्मर और दो पेयजल आपूर्ति योजनाएं बाधित हैं। अन्य जिलों में इस रिपोर्ट के अनुसार बिजली ट्रांसफार्मर या पेयजल योजनाओं के बाधित होने की सूचना दर्ज नहीं की गई है। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र ने 10 सितंबर की शाम और 11 सितंबर की सुबह की स्थिति की तुलना भी जारी की है। 10 सितंबर की शाम को 61 सड़कें, आठ बिजली ट्रांसफार्मर और दो पेयजल योजनाएं बाधित थीं। 11 सितंबर की सुबह तक सड़कें बढ़कर 70 हो गईं, जबकि बिजली ट्रांसफार्मर की संख्या घटकर दो रह गई।

एक्सप्लेनर: रूस ने सबसे पहले भारत के सामने क्यों रखा ब्रिक्स का विचार, कैसे 11 साल बाद गठबंधन हो पाया साकार?

12 सितंबर से शुरू हो रहे ब्रिक्स सम्मेलन के बीच जानिए इसका इतिहास। रूस ने 1998 में भारत के सामने यह विचार क्यों रखा और जिम ओ'नील की थ्योरी कैसे जमीन पर उतरी। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की शुरुआत कल (12 सितंबर) से होने जा रही है। इस बार सम्मेलन के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से लेकर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, समेत 20 से ज्यादा देशों के राष्ट्राध्यक्ष और प्रतिनिधि भारत आ रहे हैं। इनमें कई देश ब्रिक्स के स्थायी सदस्य और कई देश ब्रिक्स के साझेदार के तौर पर शामिल हो रहे हैं। ब्रिक्स का लगातार बढ़ता यह दायरा इसलिए भी दिलचस्प है, क्योंकि पहली बार जब इस संगठन के बारे में सोचा गया था, तब इसके लिए महज तीन देशों का विचार ही आया था। हालांकि, अगले कुछ वर्षों में इस गठबंधन की अवधारणा चार देशों से होते हुए आज असल स्वरूप में 20 देशों तक पहुंच चुकी है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर ब्रिक्स का इतिहास क्या है? पहली बार इसका विचार किसे और कैसे आया? कैसे शुरुआत से ही भारत इस तरह के गठबंधन की अवधारणा में शामिल रहा? वह व्यक्ति कौन हैं, जिन्होंने दुनिया की सबसे तेज अर्थव्यवस्था के तौर पर उभर रहीं अर्थव्यवस्थाओं के ब्रिक्स के तौर पर जुड़ने की अवधारणा दुनिया के सामने रखी? कैसे इस अवधारणा के सामने आने के आठ साल बाद ब्रिक्स देशों के राष्ट्राध्यक्ष पहली बैठक के लिए एक साथ जुट गए? आइये जानते हैं...

पहले जानें- कब-किसे आया था ब्रिक्स जैसे गठबंधन का विचार?

1. पहली बार कब आया रणनीतिक विचार?

ब्रिक्स के इतिहास और अवधारणा को देखा जाए तो सामने आता है कि इसकी वैचारिक नींव 1996 से 1998 के बीच पड़ी थी। दरअसल, यह वह दौर था, जब सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस संभलने की कोशिश कर रहा था। वहीं, अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी देशों के गठबंधन तेजी से उभर रहे थे। खासकर नाटो और जी7, जो कि रक्षा और आर्थिक संबंधों से जुड़े सबसे मजबूत गठबंधन माने जाते रहे।

भारत के सामने कब आया ब्रिक्स जैसे गठबंधन का विचार?

इन्हीं स्थितियों के बीच पहली बार रूस को एक ऐसे गठबंधन का ख्याल आया, जो कि पश्चिमी गठबंधनों से मुकाबले के लिए साथ खड़ा हो सकता है। रूसी सरकार का मकसद अमेरिका और पश्चिमी यूरोप पर रूस की जबरदस्त निर्भरता को खत्म करना और वैश्विक मामलों में सत्ता के केंद्रों में विविधता लाना था।बताया जाता है कि रूस के विदेश मंत्रालय ने पहली बार 1996 में इसकी अवधारणा सामने रखी थी। इसके बाद 1998 में ऐसे गठबंधन पर विचार करने और इसे असल स्वरूप देने के लिए रूस के विदेश मंत्री येवगेनी प्रिमाकोव ने जिम्मेदारी संभाली और 1998 में अपनी दिल्ली यात्रा के दौरान सबसे पहले भारत के सामने ही ब्रिक्स जैसे गठबंधन का विचार सामने रखा। हालांकि, तब उनकी योजना में सिर्फ रूस, भारत और चीन ही थे। यानी प्रिमाकोव एक रणनीतिक यूरेशियाई त्रिकोण पर ज्यादा केंद्रित रहे।

अब जानें- आर्थिक गठबंधन के तौर पर कैसे रखी गई ब्रिक्स की अवधारणा?

ब्रिक्स की एक आर्थिक गठबंधन के तौर पर साथ आने का विचार अमेरिका के सबसे बड़े बैंकों में से एक गोल्डमैन सैक्स के अर्थशास्त्री जिम ओ'नील ने अपने शोध पत्र में गढ़ा था। तब उन्होंने ब्रिक (BRIC) का विचार रखा था, जिसमें- ब्राजील, रूस, भारत, चीन को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बताया गया। उन्होंने अपने प्रसिद्ध पेपर- बिल्डिंग बेटर ग्लोबल इकोनॉमिक ब्रिक्स (Building Better Global Economic BRICs) में तर्क दिया कि ये चार उभरती अर्थव्यवस्थाएं 2050 तक वैश्विक जीडीपी और विकास का मुख्य केंद्र बन जाएंगी और पश्चिमी जी7 देशों के आर्थिक वर्चस्व को चुनौती देंगी।

तपती धरती, उबलते समंदर: अगस्त बना इतिहास का सबसे गर्म महीना, पूर्वी यूरोप में गंभीर सूखे की स्थिति; आगे क्या?

अल नीनो-ग्रीनहाउस गैसें कारण

वैज्ञानिकों के अनुसार, यह अप्रत्याशित गर्मी जीवाश्म ईंधन (कोयला, तेल, गैस) के जलने से वायुमंडल में लगातार बढ़ रही ग्रीनहाउस गैसों और भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में सक्रिय हो रही मजबूत अल नीनो परिस्थितियों का मिला-जुला नतीजा है।

जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान के कारण हालात चिंताजनक हैं। अगस्त 2026 इतिहास का सबसे गर्म महीना बन चुका है। पूर्वी यूरोप के बड़े हिस्से में गंभीर सूखे की स्थिति पैदा हो गई है।वैश्विक स्तर पर जलवायु संकट ने एक बार फिर खतरे की घंटी बजा दी है। यूरोपीय संघ की प्रमुख निगरानी संस्था कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (सी3एस) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 जुलाई 2023 के साथ संयुक्त रूप से इतिहास का सबसे गर्म महीना दर्ज किया गया है। इस दौरान दुनिया का औसत वायु तापमान 16.96 डिग्री सेल्सियस रहा, जो 1991-2020 के औसत से 0.85 डिग्री सेल्सियस और पूर्व-औद्योगिक काल (1850-1900) की तुलना में 1.65 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

महासागरों में भी गर्मी का रिकॉर्ड

महासागरों का तापमान भी रिकॉर्ड स्तर पर है। 60 डिग्री दक्षिण से 60 डिग्री उत्तर के बीच गैर-ध्रुवीय महासागरों का औसत सतही तापमान 21.07 डिग्री दर्ज किया। इसने अगस्त 2023 में बने 20.98 डिग्री के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

एक्सप्लेनर: सऊदी को हूतियों के हमले से बचाने क्यों नहीं आए पाकिस्तान-तुर्किये, क्या नाकाम हो गया मक्का समझौता?

सऊदी अरब पर यमन के हूती हमलों के बीच 'मक्का समझौता' सवालों के घेरे में है। जानिए तुर्किये और परमाणु शक्ति संपन्न पाकिस्तान क्यों सऊदी की सैन्य मदद के लिए आगे नहीं आ रहे हैं।

यमन के विद्रोही- हूती संगठन की तरफ से सऊदी अरब पर लगातार हमले बोले जा रहे हैं। आलम यह है कि बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन्स के भीषण हमलों से सऊदी अरब के कई अहम ऊर्जा ढांचों, हवाई अड्डों और यानबू शहर के बंदरगाह के करीब लाल सागर (रेड सी) में वाणिज्यिक तेल टैंकरों को भारी नुकसान पहुंचा है। सऊदी अरब की तरफ से भी इन हमलों का जवाब देने की भरपूर कोशिश की जा रही है। हालांकि, हूतियों की ताकत के आगे फिलहाल सऊदी की रणनीति काम करती नहीं दिख रही।

इस बीच पूरी दुनिया में एक ही सवाल गूंज रहा है। वह यह कि एक महीने पहले सऊदी अरब के नेतृत्व में तीन इस्लामिक देशों के बीच एक-दूसरे के बचाव के लिए जो मक्का समझौता हुआ था, उसका क्या हुआ? क्यों इस समझौते के तहत सऊदी के साथ गठबंधन बनाने वाले पाकिस्तान और तुर्किये अब उसकी मदद के लिए आगे नहीं आ रहे हैं? एक परमाणु शक्ति होने के बावजूद पाकिस्तान क्यों सिर्फ धमकियों तक ही सीमित रह गया? उसके किस नेता ने क्या कहा है? आइये जानते हैं..

हूतियों ने सऊदी अरब पर इन हमलों को उत्तर-पश्चिमी यमन में सऊदी हवाई हमलों के जवाब में की गई कार्रवाई बताया है।

सऊदी अरब पर हुए इन हमलों और लाल सागर में नौवहन बाधित होने का असर यह हुआ कि दुनियाभर में कच्चे तेल की आपूर्ति पर डर बैठ गया और यह $100 के पार चला गया।

अगर सऊदी पर हमले में भारी तबाही तो मक्का समझौते के साथी कहां?

गौरतलब है कि सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच बीते महीने मक्का समझौता हुआ था। जब इस डील पर हस्ताक्षर हुए थे, तब दावा किया गया था कि यह पश्चिमी देशों के संगठन- नाटो (नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन) की तरह ही होगा। यानी मक्का समझौते में शामिल किसी एक देश पर हमला सभी पर हमला माना जाएगा और वे एक-दूसरे के बचाव के लिए आगे आएंगे।

हालांकि, इस समझौते के सामने पहला परीक्षण एक महीने में ही सामने आ गया। इसके बावजूद न तो पाकिस्तान और न ही तुर्किये की तरफ से सऊदी को कुछ सैन्य मदद भेजी गई है।

पाकिस्तान क्यों नहीं कर रहा सऊदी की मदद, क्या मजबूरी?

1. संसद में बना कानून है मजबूरी

पाकिस्तान के मक्का समझौते के बावजूद सऊदी की मदद न कर पाने की एक बड़ी वजह उसके कुछ पुराने कानून हैं, जिनमें अब तक बदलाव नहीं कराया जा सका है।

2015 में पाकिस्तान की संसद- मजलिस-ए-शूरा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर यमन संघर्ष में पूरी तरह तटस्थ रहने का आदेश दिया था।

यानी पाकिस्तान तब तक यमन के हूतियों को निशाना नहीं बना सकता, जब तक संसद कानून को न पलट दे या सरकार खुद संसदीय जनादेश का उल्लंघन कर दे।

पाकिस्तान की कूटनीति के तहत भी उसकी सेना युद्ध में तब तक नहीं उतर सकती, जब तक सऊदी पर कोई बड़ा पारंपरिक हमला न हो जाए।

इसके अलावा मुस्लिमों के पावन धार्मिक स्थल मक्का और मदीना पर कोई अस्तित्व से जुड़ा खतरा होने पर भी पाकिस्तानी सेना संघर्ष में कूद सकती है।

2. ईरान से रिश्ते भी आ रहे सऊदी की मदद के आड़े

यमन के हूती विद्रोही असल में शिया समुदाय से आते हैं, जो कि देश में सऊदी अरब की ओर से स्थापित की गई सुन्नी सरकार के खिलाफ जंग छेड़ रहे है। चूंकि ईरान एक शिया बहुल देश है, ऐसे में यमन की सुन्नी सरकार के खिलाफ वह हूती विद्रोहियों को कूटनीतिक और आर्थिक मदद मुहैया कराता रहा है।

पाकिस्तान की ईरान के साथ करीब 900 किलोमीटर लंबी संवेदनशील सीमा है। ऐसे में ईरान-समर्थित हूतियों के खिलाफ सीधी सैन्य कार्रवाई से तेहरान के साथ संबंध बिगड़ने और पश्चिमी सीमा पर नया तनाव पैदा होने का जोखिम है।

इतना ही नहीं पाकिस्तान में भले ही सुन्नी समुदाय का आबादी में वर्चस्व है, लेकिन यहां जनसंख्या में शियाओं की हिस्सेदारी भी करीब 15 से 20 फीसदी है। ऐसे में हूती विद्रोहियों पर कार्रवाई देश में ही मौजूद शिया समुदाय को नाराज कर सकती है और पाकिस्तान में अंदरूनी तनाव और सांप्रदायिक हिंसा बढ़ने का खतरा पैदा हो सकता है।

3. पाकिस्तान के घरेलू हालात भी खराब

पाकिस्तान की सेना पहले से ही अपनी पूर्वी सीमा पर भारत के खिलाफ साजिश रचने, पश्चिमी सीमा पर अफगानिस्तान का सामना करने और घरेलू आतंकवाद से निपटने की कोशिश कर रहा है। साथ ही उसकी अर्थव्यवस्था भी लगातार संकट में बनी हुई है, जिससे उसकी युद्ध लड़ने की क्षमताएं सीमित हैं।

तुर्किये के सऊदी अरब से दूरी बनाने की क्या वजहें?

तुर्किये के एक अधिकारी के मुताबिक, मक्का समझौता साफ तौर पर रक्षात्मक प्रकृति का है। यह तुर्किये के अन्य देशों के साथ पहले से मौजूद समझौतों या अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारियों को कम नहीं करता।

- समझौते में एक सदस्य पर हमला सभी पर हमला माना जाएगा, जैसी भाषा का इस्तेमाल जरूर हुआ है, लेकिन इसमें यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किसी सदस्य पर हमला होने पर अन्य सदस्यों को किस प्रकार की सैन्य कार्रवाई करनी होगी। यानी बतोलेबाजी से इतर मक्का समझौता नाटो के आर्टिकल 5 की तरह स्वतः युद्ध में शामिल होने की बाध्यता नहीं बनाता।
- तुर्किये और पाकिस्तान दोनों का प्राथमिक आर्थिक व सुरक्षा हित इस बात में निहित है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और अधिक न फैले। सीधे सैन्य हस्तक्षेप से पूरे क्षेत्र में व्यापक युद्ध भड़कने का जोखिम है।
- इस समझौते का मुख्य मकसद तीनों देशों- सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये की संयुक्त सैन्य क्षमता का प्रदर्शन कर एक कूटनीतिक और रणनीतिक रोकथाम का तंत्र बनाना है, न कि हर हमले के जवाब में सीधे मोर्चे पर युद्ध लड़ना।

पाकिस्तान ने सऊदी की मदद न कर पाने में क्या मजबूरी बताई?

1. प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ

दूसरी तरफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सऊदी अरब पर हूती मिसाइल और ड्रोन हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इन्हें कायरतापूर्ण बताया और कहा कि ये हमले आम नागरिकों के जीवन तथा क्षेत्रीय शांति व सुरक्षा के लिए खतरा हैं। उन्होंने सऊदी अरब की संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति पाकिस्तान के दृढ़ समर्थन और एकजुटता को दोहराया।

2. रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने ख्वाजा आसिफ ने जियो टीवी को दिए एक साक्षात्कार के दौरान समझौते की शर्तों और पाकिस्तान की नीति को स्पष्ट किया। उन्होंने भरोसा देते हुए कहा कि यह एक संयुक्त रक्षा समझौता है। पाकिस्तान इस समझौते की शर्तों से बंधा हुआ है और जरूरत पड़ने पर सऊदी अरब के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को निभाएगा। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कोई आक्रामक समझौता नहीं है जिसके तहत तीनों देश अपनी पहल पर किसी तीसरे देश पर हमला कर दें। अगर किसी एक सदस्य देश के खिलाफ आक्रामकता होती है, तो तीनों सदस्य देश मिलकर उसका जवाब देंगे।

इतना ही नहीं उन्होंने हूतियों को चेतावनी दी कि वे यमन संघर्ष को सऊदी अरब की सीमा में न बढ़ाएं। अगर वे ऐसा करते हैं, तो आक्रामकता से निपटने वाले समझौते के प्रावधान लागू हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमें ईंट का जवाब पत्थर से देने की जरूरत नहीं है

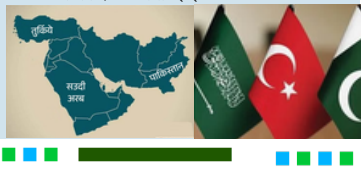

एनएसई आईपीओ: 17 सितंबर से सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा, 22,569 करोड़ रुपये का दूसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम

आईपीओ की मुख्य बातें क्या हैं?

यह आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) होगा। इसमें मौजूदा शेयरधारक 12.64 करोड़ इक्विटी शेयर तक बेचेंगे। पहले 14.9 करोड़ शेयर बेचने की योजना थी। ओएफएस के आकार में कमी से कुल निर्गम आकार भी कम हो गया है। शुरुआती अनुमान 30,000 करोड़ रुपये था। निचले स्तर पर निर्गम का अनुमान 21,494 करोड़ रुपये है। ऊपरी स्तर पर यह करीब 22,569 करोड़ रुपये होगा। यह भारत की सबसे बड़ी सार्वजनिक पेशकश बनने से चूक जाएगा।

निवेशकों के लिए क्या है आरक्षण?

इस निर्गम में योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के लिए 50 फीसदी आरक्षण है। गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) के लिए 15 फीसदी और खुदरा निवेशकों के लिए 35 फीसदी आरक्षण रखा गया है। रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) के अनुसार, मौजूदा शेयरधारकों ने अपनी हिस्सेदारी बिक्री कम कर दी है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी प्रस्तावित बिक्री पेशकश को 2.47 करोड़ शेयर से घटाकर करीब 1.60 करोड़ शेयर कर दिया है। एमएस स्ट्रैटेजिक (मॉरीशस) लिमिटेड ने भी अपनी पेशकश 1.6 करोड़ शेयर से घटाकर 1.1 करोड़ शेयर कर दी है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 17 सितंबर को खुलेगा। इसका मूल्य दायरा 1,700-1,785 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। यह 22,569 करोड़ रुपये का निर्गम देश का दूसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम होगा। जानें आईपीओ की मुख्य बातें, निवेशकों के लिए आरक्षण और शेयर बेचने वाले प्रमुख शेयरधारकों के बारे में।नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अपने बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) तय कर दिया है। यह निर्गम 17 सितंबर को सदस्यता के लिए खुलेगा और 21 सितंबर को बंद होगा। इसका मूल्य दायरा 1,700 रुपये से 1,785 रुपये प्रति इक्विटी शेयर निर्धारित किया गया है। 22,569 करोड़ रुपये का यह आईपीओ देश का दूसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम होगा।एनएसई के शेयरों की बाजार में लिस्टिंग 24 सितंबर को होगी। नियामकीय बाधाओं के कारण करीब एक दशक तक ठप रहने के बाद यह आईपीओ आ रहा है। बाजार नियामक सेबी ने पिछले सप्ताह इस पेशकश को मंजूरी दी थी। एंकर निवेशकों के लिए बोली 16 सितंबर को लगेगी।

यह कितना बड़ा निर्गम है?

हुंडई मोटर इंडिया का 27,870 करोड़ रुपये का आईपीओ देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम है। यह 2024 में आया था। एनएसई की पेशकश भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के 2022 में आए 21,000 करोड़ रुपये के आईपीओ को पीछे छोड़ देगी। कंपनी ने पात्र कर्मचारियों के लिए 70 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयर आरक्षित किए हैं। एनएसई कर्मचारियों को प्रति इक्विटी शेयर 170 रुपये की छूट भी मिलेगी।बैंक ऑफ बड़ौदा, स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और जनरल इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने भी अपनी प्रस्तावित शेयर बिक्री कम की है। एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड आरएचपी में एक नया शेयर बेचने वाला शेयरधारक है। चूंकि यह निर्गम पूरी तरह से ओएफएस है

कच्चे तेल में लगी 'आग': 108 डॉलर के पार पहुंची कीमत; पश्चिम एशिया की जंग से भारत पर कितना असर?

पश्चिम एशिया के तनाव का तेल बाजार पर क्या असर पड़ा?

पश्चिम एशिया की स्थिति अब बेहद गंभीर चरण में पहुंच गई है और मुख्य रूप से अमेरिका और ईरान के बीच सीधे युद्ध का रूप ले चुकी है। इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के रास्तों पर बड़ा असर पड़ा है। क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों पर और दबाव आया है। बाजार में सबसे बड़ी चिंता ऊर्जा आपूर्ति और अहम ऊर्जा मार्गों की स्थिरता को लेकर है।

ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत एक सप्ताह में 12 फीसदी से ज्यादा बढ़ी है और 108.77 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई।

मई में कच्चा तेल इसी तरह के स्तर पर पहुंचा था, लेकिन इसके बाद कीमत 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई थी।

उस समय शांति की उम्मीद और भू-राजनीतिक तनाव कम होने से तेल की कीमतों में राहत देखने को मिली थी।

अब पश्चिम एशिया में तनाव दोबारा बढ़ने से तेल की कीमतें तेजी से ऊपर गई हैं और आयात पर निर्भर देशों की चिंता बढ़ी है।महंगा कच्चा तेल भारत के लिए चिंता क्यों?

भारत कच्चे तेल का बड़ा आयातक देश है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होने का सीधा असर देश के आयात खर्च पर पड़ता है। इसके साथ ही महंगे तेल से महंगाई बढ़ने का दबाव बन सकता है। कंपनियों और आम लोगों के लिए परिवहन और दूसरी लागत बढ़ सकती है। आयात बिल बढ़ने से चालू खाते पर भी दबाव पड़ने का जोखिम रहता है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 108.77 डॉलर प्रति बैरल के चार महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। एक सप्ताह में इसकी कीमत 12 फीसदी से ज्यादा बढ़ी है, जिससे भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश की चिंता बढ़ी है। अर्थशास्त्री सुनील सिन्हा के अनुसार, कच्चे तेल की कीमत में हर 10 डॉलर की बढ़ोतरी भारत की आर्थिक वृद्धि को करीब 20 से 30 आधार अंक प्रभावित कर सकती है।पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया है। शुक्रवार को ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 108.77 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। यह चार महीने का सबसे ऊंचा स्तर है। खबर लिखे जाने के समय ब्रेंट 107.75 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। बीते एक सप्ताह में इसकी कीमत 12 फीसदी से ज्यादा बढ़ चुकी है।राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद के पूर्व वरिष्ठ अर्थशास्त्री सुनील सिन्हा के मुताबिक, अगर कच्चे तेल की कीमत लंबे समय तक ऊंची रहती है तो आने वाली तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि पर दबाव पड़ सकता है।

वैश्विक बाजार: दुनिया में बढ़ रही भारतीय चावल की धमक, बीआईआरसी के लिए 138 देशों से पंजीकरण; विस्तार खास क्यों?

भारत अब सिर्फ चावल बेचने वाला देश नहीं, बल्कि निर्यातकों का भी पंसदीदा केंद्र बन रहा है। इसका संकेत 23 से 25 अक्तूबर को आयोजित होने वाले भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन (बीआईआरसी) से मिल रहा है। इस कार्यक्रम के लिए 138 देशों के 3,317 खरीदार पंजीकरण करा चुके हैं। इसमें खाड़ी देशों के 145 प्रतिनिधि हैं। भारतीय चावल की इस लोकप्रियता की वजह भारत की विक्रय नीति में रणनीतिक बदलाव है। लगभग 6,000 किस्मों की विविधता और रिकॉर्ड उत्पादन के दम पर भारत ने वैश्विक बाजार में अपनी गहरी धमक स्थापित कर ली है।विश्व कृषि विभाग के अनुसार, फसल वर्ष 2025-26 में भारत का चावल उत्पादन 15.40 करोड़ टन के सर्वकालिक उच्च स्तर पर है, जो चीन 14.60 करोड़ टन से अधिक है। वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी करीब 40 % है। भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक है। दुनिया का 28 फीसदी चावल भारत में पैदा हो रहा है। इस तरह से भारत का चावल निर्यात में भी दबदबा कायम है। अंतरराष्ट्रीय अनाज परिषद के मुताबिक भारत 2.34 करोड़ टन चावल का निर्यात करेगा।

चार माह में 47.9 लाख टन चावल का निर्यात

भारतीय चावल निर्यातक महासंघ के अनुसार, नवंबर 2025 से मार्च 2026 के बीच 26 प्राथमिकता वाले बाजारों में निर्यात 23,476 करोड़ रुपये और 47.9 लाख टन रहा। यह पिछले तीन वर्षों के औसत से मूल्य में 1.1 प्रतिशत और मात्रा में 5.6 प्रतिशत अधिक है। सबसे तेज वृद्धि खाड़ी और यूरोप से हुई है। यूएई को निर्यात मूल्य में 65% और मात्रा में 64 % की बढ़ोतरी हुई।

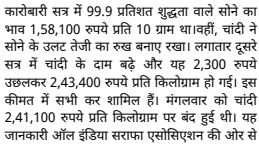

बीआइआरसी 2026: क्या दुनिया में बढ़ी भारत के चावल की मांग? 138 देशों के खरीदारों ने आयोजन के लिए कराया पंजीकरण

ऑनलाइन खरीदारी: छूट में 30 दिन की सबसे कम पुरानी कीमत बतानी होगी, अगले साल एक जनवरी से नियम लागू

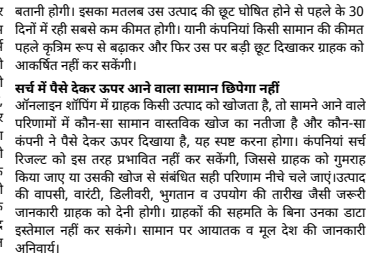

सरकार के नए ई-कॉमर्स नियम 1 जनवरी 2027 से लागू होंगे। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को छूट दिखाते समय उत्पाद की मौजूदा कीमत के साथ पिछले 30 दिनों की सबसे कम कीमत भी बतानी होगी। नियमों का उद्देश्य फर्जी डिस्काउंट रोकना, कीमतों में पारदर्शिता बढ़ाना और ग्राहकों को बेहतर खरीदारी निर्णय लेने में मदद करना है।ऑनलाइन खरीदारी में किसी सामान पर बड़ी छूट देखकर खरीदारी करने से पहले अब ग्राहक को यह भी पता चलेगा कि वह छूट वास्तव में कितनी है। सरकार ने ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए नियम सख्त करते हुए कीमतों में पारदर्शिता, सर्च रिजल्ट और प्रायोजित उत्पादों की पहचान से लेकर ग्राहकों को गुमराह करने वाले डिजिटल तरीकों पर अंकुश लगाने की तैयारी कर ली है। नए नियम एक जनवरी 2027 से लागू होंगे।ई-कॉमर्स कंपनियों को 2023 के डार्क पैटर्न संबंधी दिशानिर्देशों का पालन करना होगा। ग्राहक को अपनी इच्छा के खिलाफ खरीदारी, सब्सक्रिप्शन या किसी अन्य विकल्प की ओर धकेलने वाले डिजाइन को डार्क पैटर्न कहा जाता है। मसलन, अतिरिक्त शुल्क को आखिरी चरण में दिखाना, किसी विकल्प को चुनने के लिए दबाव बनाना या ग्राहक की पसंद को भ्रमित करने वाला इंटरफेस। नए नियमों के तहत उन्हें हर साल अपने प्लेटफॉर्म का खुद ऑडिट कर अनुपालन प्रमाणपत्र भी प्रदर्शित करना होगा।

बड़ी छूट दिखाकर ग्राहक को आकर्षित करने पर नकेल कैसे?

सबसे बड़ा बदलाव छूट के दावे को लेकर है। किसी उत्पाद की कीमत घटाकर दिखाने पर कंपनियों को नई कीमत के साथ पिछली कीमत भी बतानी होगी। इसका मतलब उस उत्पाद की छूट घोषित होने से पहले के 30 दिनों में रही सबसे कम कीमत होगी। यानी कंपनियां किसी सामान की कीमत पहले कृत्रिम रूप से बढ़ाकर और फिर उस पर बड़ी छूट दिखाकर ग्राहक को आकर्षित नहीं कर सकेंगी।

सर्च में पैसे देकर ऊपर आने वाला सामान छिपेगा नहीं

ऑनलाइन शॉपिंग में ग्राहक किसी उत्पाद को खोजता है, तो सामने आने वाले परिणामों में कौन-सा सामान वास्तविक खोज का नतीजा है और कौन-सा कंपनी ने पैसे देकर ऊपर दिखाया है, यह स्पष्ट करना होगा। कंपनियां सर्च रिजल्ट को इस तरह प्रभावित नहीं कर सकेंगी, जिससे ग्राहक को गुमराह किया जाए या उसकी खोज से संबंधित सही परिणाम नीचे चले जाएं।उत्पाद की वापसी, वारंटी, डिलीवरी, भुगतान व उपयोग की तारीख जैसी जरूरी जानकारी ग्राहक को देनी होगी। ग्राहकों की सहमति के बिना उनका डाटा इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। सामान पर आयातक व मूल देश की जानकारी अनिवार्य।

द बोनस मार्केट अपडेट: भारतीय शेयर बाजार सपाट खुला, कच्चे तेल के 100 डॉलर के पार जाने से किन सेक्टर पर दबाव?

गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार करीब सपाट खुला। सेंसेक्स और निफ्टी मामूली गिरावट में रहे, जबकि ऑटो और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स शेयरों पर दबाव दिखा। वैश्विक बाजारों की कमजोरी का भी असर रहा। निफ्टी के 23,500 से नीचे रहने, कच्चे तेल के 101 डॉलर पार जाने और बॉन्ड यील्ड बढ़ने से बाजार में चिंता बढ़ी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में करीब सपाट खुला। सुबह 9:23 पर सेंसेक्स 36 अंक या 0.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74,727.96 और निफ्टी 8.25 अंक या 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,430.00 पर था। शुरुआती कारोबार में बाजार में दबाव ऑटो और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स स्टॉक्स पर देखा जा रहा है। सूचकांकों में निफ्टी ऑटो और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स टॉप लूजर्स थे। इसके बाद निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी फार्मा, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी इन्फ्रा और निफ्टी मेटल लाल निशान में थे। दूसरी तरफ निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी पीएसई, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी एनर्जी हरे निशान में थे। मिडकैप और स्मॉलकैप में मिलाजुला कारोबार हो रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 114 अंक या 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 62,479 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 18 अंक की मामूली तेजी के साथ 20,055 पर था। दूसरी तरफ निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी पीएसई, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी एनर्जी हरे निशान में थे।

जानकारों ने कहा कि निफ्टी के 23,500 के रेजिस्टेंस लेवल से नीचे आने के कारण मार्केट की स्थिति कमजोर हो गई है। तकनीकी रूप से मार्केट में और गिरावट की आशंका है, और बुनियादी मैक्रो ट्रेंड्स भी बिगड़ते जा रहे हैं। ब्रेंट क्रूड की कीमत 101 डॉलर प्रति के पार चली गई है और यूएस के 10-साल के बॉन्ड की यील्ड बढ़कर 4.83 प्रतिशत हो गई है। इससे फेड द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने की संभावना बढ़ गई है, जिससे मार्केट में चिंताएं भी बढ़ रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि भले ही भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अच्छी स्थिति में है और चालू खाता घाटा भी नियंत्रण में है, लेकिन अगर कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक 100 डॉलर से ऊपर बनी रहती हैं, तो इसका असर इस साल भारत की जीडीपी ग्रोथ और कंपनियों की कमाई पर भी पड़ेगा।ज्यादातर वैश्विक बाजारों में कमजोरी के साथ कारोबार हो रहा है। टोक्यो, शंघाई, हांगकांग, बैंकॉक, सोल और जकार्ता लाल निशान में थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को लाल निशान में बंद हुए थे, जिसमें डाओ जोन्स 0.77 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और टेक्नोलॉजी इंडेक्स नैस्डैक 0.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

चांदी उछली, सोना धड़ाम: सर्राफा बाजार की कीमतों में दिखा उतार-चढ़ाव, दिल्ली में आज कीमती धातुओं के भाव क्या?

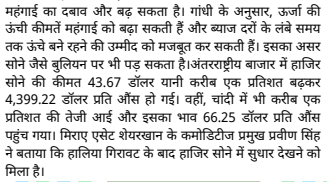

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक-सामान्य धातु सौमिल गांधी के मुताबिक, अमेरिकी महंगाई से जुड़े अहम आंकड़े इस सप्ताह जारी होने वाले हैं। ऐसे में निवेशक फिलहाल सतर्क रुख अपना रहे हैं, जिससे सोने की कीमतें सीमित दायरे में बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने महंगाई को लेकर चिंताएं फिर बढ़ा दी हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ऊर्जा लागत में तेजी से महंगाई का दबाव और बढ़ सकता है। गांधी के अनुसार, ऊर्जा की ऊंची कीमतें महंगाई को बढ़ा सकती हैं और ब्याज दरों के लंबे समय तक ऊंचे बने रहने की उम्मीद को मजबूत कर सकती हैं। इसका असर सोने जैसे बुलियन पर भी पड़ सकता है।अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोने की कीमत 43.67 डॉलर यानी करीब एक प्रतिशत बढ़कर 4,399.22 डॉलर प्रति औंस हो गई। वहीं, चांदी में भी करीब एक प्रतिशत की तेजी आई और इसका भाव 66.25 डॉलर प्रति औंस पहुंच गया। मिराए एसेट शेयरखान के कमोडिटीज प्रमुख प्रवीण सिंह ने बताया कि हालिया गिरावट के बाद हाजिर सोने में सुधार देखने को मिला है।

दिल्ली में सोने की कीमत लगातार तीसरे दिन 100 रुपये गिरकर 1,58,000 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। वहीं चांदी 2,300 रुपये उछलकर 2,43,400 रुपये प्रति किलो पहुंच गई।घरेलू बाजार में मांग कमजोर रहने के कारण राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बुधवार को सोने की कीमतों में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र गिरावट दर्ज की गई। सोना 100 रुपये फिसलकर 1,58,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 1,58,100 रुपये प्रति 10 ग्राम था।वहीं, चांदी ने सोने के उलट तेजी का रुख बनाए रखा। लगातार दूसरे सत्र में चांदी के दाम बढ़े और यह 2,300 रुपये उछलकर 2,43,400 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इस कीमत में सभी कर शामिल हैं। मंगलवार को चांदी 2,41,100 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। यह जानकारी ऑल इंडिया सराफा एसोसिएशन की ओर से दी गई।

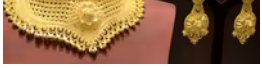

बिग बॉस के 20 साल:

बिग बॉस ने दिखाई ऐसी फिल्म फूट-फूटकर रोए घरवाले यूजर्स को याद आए सिद्धार्थ शुक्ला

Bigg Boss 20: रियलिटी शो 'बिग बॉस' के सफर को दो दशक हो चुके हैं। यह 20वां सीजन चल रहा है। हालिया एपिसोड में सीजन 20 के प्रतिभागियों को पुराने शो की एक छोटी सी झलक दिखाई। इस दौरान सिद्धार्थ शुक्ला को देखकर सभी की आंखें छलक आईं। चर्चित शो 'बिग बॉस सीजन 20' खूब दिलचस्पी के साथ आगे बढ़ रहा है। यंग डीएसए घर के पहले कैप्टन बन गए हैं। प्रतिभागियों के बीच दोस्ती और बहस व लड़ाई का सिलसिला भी जारी है। इस बीच 'बिग बॉस 20' में प्रतिभागियों को 'बिग बॉस' के 20 वर्षों की सफर की एक छोटी सी क्लिप दिखाई गई, जिसे देख सभी भावुक हो उठे।

बिग बॉस के घर गूंजी 'सिडनाज' की हंसी

बिग बॉस ने करीब 24 मिनट की एक रील सभी प्रतिभागियों को दिखाई। इसमें कई इमोशनल पल थे। दिवंगत अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला को देख सभी की आंखें नम हो गईं। शहनाज गिल और सिद्धार्थ की बॉन्डिंग ने सभी को रुला दिया। आम्रपाली दुबे से लेकर माही विज और अरिश्फा खान, सभी प्रतिभागी रोने लगे।

प्रतिभागियों को दिखाई 19 साल के सफर की झलकियां

सामने आए प्रोमो में दिखाया गया है कि 'बिग बॉस 20' के सभी प्रतिभागियों को असेंबली रूम मे बिठाकर पिछले 19 सीजन की झलकियां दिखाई गई हैं। यह दिखाया गया है कि इस शो के अब तक के सफर में तकरार और झगड़े हुए हैं तो दोस्ती और प्यार की भी मिसाल देखने को मिली हैं। यहां कई जोड़ियां बनीं और बात शादी तक भी पहुंची हैं। खट्टी-मीठी यादें हमेशा साथ रहती हैं।बिग बॉस सीजन 20 में प्रतिभागियों के बीच खूब हंसी मजाक और अच्छी बॉन्डिंग भी देखने को मिल रही है। हालिया जारी एक प्रोमो में आम्रपाली और यंग डीएसए को आसिफ खान अभिनय क्लास देते दिखे।

चुंबक रिव्यू: मोहल्ले में सबको सबकी पड़ी है

लेकिन क्या दर्शक को भी 'चुम्बक' में दिलचस्पी रहेगी?

Web Series Chumbak Review: नीना गुप्ता, देवेन भोजानी, सुमित व्यास और अर्जुन बिजलानी जैसे बड़े कलाकारों से सजी वेब सीरीज चुंबक रिलीज हो चुकी है। जानिए कैसी है इसकी कहानी?

मोहल्ले की एक खासियत होती है। आपको अपने घर की खबर हो न हो, बगल वाले घर में क्या चल रहा है, इसकी पूरी जानकारी होती है। किसकी शादी में दिक्कत है, किसका पति नाराज है, किसके बच्चे क्या कर रहे हैं...सब पता रहता है। नेटफ्लिक्स की सीरीज 'चुम्बक' इसी आदत को पकड़कर बनाई गई है। यहां पड़ोसी सिर्फ खबर नहीं रखते। मौका मिलते ही मामला सुलझाने भी पहुंच जाते हैं। निर्माता जेडी मजेठिया के लिए यह दुनिया नई नहीं है। 'आर.के. लक्ष्मण की दुनिया', 'बड़ी दूर से आए हैं', 'भाखरवड़ी' और 'वागले की दुनिया' में अलग-अलग परिवारों और पड़ोसियों की रोजमर्रा की उठापटक देख चुके हैं। 'चुम्बक' भी उसी दुनिया में जाती है। इस बार पांच परिवार एक ही कॉलोनी में रहते हैं। उनकी जिंदगी में कई उलझनें शुरू होती हैं.... लेकिन कुछ सवालों के जवाब पहले सीजन में नहीं मिलते। अब इनका आगे क्या होगा, यह दूसरे सीजन में पता चलेगा।

कहानी: तलाक से शुरू हुआ मामला पहुंच गया पूरे मोहल्ले तक

मुंबई की चुम्बक कॉलोनी में हर कोई अपनी जिंदगी में व्यस्त है। दूसरों के घर में क्या चल रहा है, यह जानने का समय फिर भी सबके पास है। कहानी रजनी मर्चेंट (नीना गुप्ता) के तलाक के फैसले से शुरू होती है। वह बताती हैं कि शादी से पहले 20 साल भाई और पिता की सेवा में निकल गए। शादी के बाद 22 साल बेटे के पीछे बीते। पिछले एक साल से पति कुकू (देवेन भोजानी) की भूलने की आदत ने उनकी मुश्किल और बढ़ा दी है। अब रजनी तलाक चाहती हैं। अपनी जिंदगी जीना चाहती हैं। उनका फैसला आखिरी है। बस, यहीं से मामला पूरे मोहल्ले का हो जाता है। कोई रजनी की शादी बचाने में लगा है। किसी की अपनी शादी में दिक्कत है। किसी के रिश्ते में दूरी है। किसी के घर में रोज की खटपट है। दूसरों की शादी बचाने निकले पड़ोसी धीरे-धीरे अपनी परेशानियां भी सामने लाने लगते हैं। धर्मेंद्र केजरीवाल (सुमित राघवन) एक कॉमेडी शो में महिला का रोल करते हैं। अक्सर उसी गेटअप में नजर आते हैं। किरण केजरीवाल (संदीपा धर) को घर पर भी उनका यही रूप खटकता है। दोनों की नोकझोंक कई जगह हंसाती है।

बिग बॉस 20: यंग डीएसए बने इस सीजन के पहले कैप्टन कनिका मान से इस बात पर हुई तगड़ी बहस

Bigg Boss 20: रियलिटी शो 'बिग बॉस' का सीजन 20 खूब दिलचस्प चल रहा है। यंग डीएसए उर्फ हर्ष विजय मचारे घर के पहले कैप्टन बने है। इसके अलावा प्रतिभागियों के बीच दोस्ती और बहस का सिलसिला भी जारी है। चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' को पहला कप्तान मिल गया है। कैप्टेंसी की जिम्मेदारी रैपर और सिंगर यंग डीएसए के जिम्मे आई है। हालिया एपिसोड की शुरुआत कैप्टेंसी टास्क से हुई थी। डीएसए टास्क जीते और उन्हें घर का कप्तान बनाया गया।

रैपर यंग डीएसए ने संभाली कैप्टन की जिम्मेदारी

जियो हॉटस्टार ने भी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यंग डीएसए के कैप्टन बनने की पुष्टि की है। पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, 'यंग डीएसए बनते हैं इस सीजन के पहले कैप्टन'।

बता दें कि यंग डीएसए पुणे के येरवडा के रहने वाले हैं। उनका असली नाम हर्ष विजय मचारे है। हालांकि, वे संगीत की दुनिया में अपने स्टेज के नाम से लोकप्रिय हैं।

कप्तान बनते ही कनिका से भिड़े रैपर

कनिका मान और यंग डीएसए के बीच तकरार देखने को मिली। कप्तान बनने के बाद यंग डीएसए ने शिकायत करते हुए कहा कि कनिका ने उनका अपमान किया। दरअसल, वे कहते हैं, 'ये वॉशरूम के अंदर कौन घुसा'? फिर कहा कि कनिका जी इधर से निकले और मेल वॉशरूम में गए। मैंने बहुत जोर से आवाज देकर बोला- 'कनिका जी, कनिका जी'। इस पर कनिका ने कहा, 'नहीं सुना मैंने'।

यंग डीएसए ने कहा, 'मुझे लगा कि आपने मेरा अपमान किया'। रैपर की बात पर भड़क गईं कनिका मान

इसके बाद कनिका ने यंग डीएसए से कहा, 'बात सुनो मेरी, यहां के कैप्टन ही बने हो, यहां के कोई बादशाह नहीं बने हो'। फिर कनिका ने सभी घरवालों के सामने कहा कि इसका (यंग डीएसए) मैं मजाक बताऊं। मेरे से बोला कि मैं बाथरूम जाऊंगा तो तुमको बुला लूंगा, मेरी हेल्प करने के लिए'। इस पर यंग डीएसए ने कहा, 'वो ऐसी सोच रखती है, तो मेरी क्या गलती'। इस पर कनिका बोलीं-, 'मैं तुम्हारे स्तर पर नही आना चाहती'।गहरी होती जा रही कनिका और गुल्लू की दोस्ती

बिग बॉस सीजन 20 में गुल्लू और कनिका मान के बीच काफी अच्छी दोस्ती देखने को मिल रही है। यह दोस्ती और भी गहरी होती जा रही है। बता दें कि बिग बॉस का सीजन 20 हर रोज साढ़े दस बजे कलर्स पर आता है।

विवादित बयान: पार्टी में सारा अली खान ने दिया लड़की को धक्का? ओरी ने याद किया किस्सा बोले- 'गलती नहीं थी'

Orry On Sara Ali Khan: ओरी और सारा अली खान एक वक्त तक बहुत अच्छे दोस्त थे। मगर पिछले कुछ महीनों से दोनों के बीच विवाद जारी है। हाल ही में ओरी ने एक पुराना किस्सा याद करते हुए एक्ट्रेस पर बड़ा आरोप लगाया है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरी इन दिनों अपने और सारा अली खान के बीच हुए विवादों को लेकर चर्चा में हैं। आए दिन वो किसी ना किसी इंटरव्यू में सारा का जिक्र करते हैं। हाल ही में उन्होंने सारा से जुड़ा हुआ एक और मजाकिया किस्सा सुनाते हुए अभिनेत्री पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि एक पार्टी में सारा ने कथित तौर पर जो मजाक किया उसके बाद उन्हें कैसा बवाल झेलना पड़ा।

सारा की कौन सी हरकत पड़ी ओरी पर भारी?

ओरी ने पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'कुछ समय पहले मैं और सारा एक पार्टी में गए थे। सारा उस समय एक मशहूर एक्ट्रेस बन चुकी थीं। मगर मुझे ज्यादा लोग नहीं जानते थे। उस पार्टी में बैठने की जगह नहीं थी। तब सारा को एक लड़की कुर्सी पर बैठी दिखी। सारा ने उस लड़की को धक्का दे दिया। इसके बाद उस लड़की ने सारा को उसकी पॉपुलरिटी के चलते कुछ नहीं कहा, मगर मुझसे वह झगड़ने लगी। कुछ समय बाद वह लड़की शांत हो गई। उसने मुझसे कहा कि कोई बात नहीं गलती से हो गया होगा। इस पूरे मामले में मेरी कोई गलती भी नहीं थी फिर भी मैंने बातें सुनीं।'

कभी थीं अच्छी दोस्ती अब रिश्तों में कड़वाहट

बॉलीवुड में एक्ट्रेस सारा अली खान और ओरी की दोस्ती के काफी चर्चे थे। एक समय दोनों ही एक दूसरे के अच्छे दोस्त थे। मगर बीते कुछ वक्त से दोनों की दोस्ती में कड़वाहट आ गई। एक दूसरे को अनफॉलो करना, क्रिप्टिक पोस्ट और एक दूसरे को तीखीं टिप्पणियां देने से दोस्ती टूटने की खबर फैंस तक पहुंची। दरअसल, जनवरी 2026 में ओरी ने एक वीडियो शेयर किया था।

रवि मोहन: क्या आरती ने ऑस्कर का हकदार बताकर किया अभिनेता पर तंज? सिंगर केनिशा के साथ सहयोग के बाद आई पोस्ट

Ravi Mohan: हाल ही में रवि मोहन ने केनिशा के साथ एक सहयोग का एलान किया है। इस बीच आरती के एक पोस्ट ने हंगामा मचा दिया है। माना जा रहा है कि यह पोस्ट रवि को लेकर है। अभिनेता रवि मोहन की पत्नी आरती रवि की नई पोस्ट ने एक बार फिर सोशल मीडिया को सोचने पर मजबूर कर दिया है। हालांकि आरती ने अपनी पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया, मगर यूजर्स को लगता है कि यह पोस्ट उनके पति के लिए है। यह पोस्ट उस दिलचस्प समय पर की गई है, जब रवि ने गायिका केनिशा फ्रांसिस के साथ एक नए सहयोग की घोषणा की है।

आरती ने क्या लिखा?

आरती ने लिखा कि उनकी जिंदगी में जो शख्स आया उसने इतना शानदार प्रदर्शन किया कि सूर्या, अजित, विक्रम और कमल हासन भी पीछे रह जाएंगे। उनकी पंचलाइन? वह अभिनय ऑस्कर के हकदार थे। पोस्ट में रवि का नाम कहीं नहीं था, मगर उनके फॉलोवर्स ने अंदाजा लगाया कि यह रवि मोहन पर तंज था।

केनिशा के साथ सहयोग का एलान

यह पोस्ट रवि और गायिका केनिशा फ्रांसिस के बीच ताजा चर्चा के बीच आई है। इस सप्ताह की शुरुआत में रवि मोहन स्टूडियोज ने रवि के निर्देशन में बनी पहली फिल्म एन ऑर्डिनरी मैन के संगीतकार के रूप में केनिशा की घोषणा की। प्रोडक्शन हाउस ने उन्हें एक पोस्टर के साथ पेश किया जिसमें लिखा था, 'अ केनेशा म्यूजिकल से आपका परिचय करा रहे हैं।'

पहली फिल्म का निर्देशन करेंगे रवि

रवि ने यह एलान केनिशा से अलग होने के कई महीनों के बाद किया है। केनीशा एन ऑर्डिनरी मैन के लिए संगीत तैयार करेंगी, जिसमें हास्य अभिनेता योगी बाबू हैं और यह निर्देशक के रूप में रवि की पहली फिल्म है।

Aaj ka Rashifal 11 September

कुंभ समेत इन 5 राशि वालों के लिए शुभ रहेगा दिन, मिलेगी कोई बड़ी खुशखबरी

आज सितारे आपके लिए क्या संकेत दे रहे हैं? जानिए 11 सितंबर 2026 का राशिफल। करियर, धन, प्रेम और सेहत के मामले में कैसा रहेगा, पढ़ें पूरी भविष्यवाणी।

11 सितंबर का राशिफल: आज का दिन कुछ राशि वालों के लिए नई उम्मीदें और सफलता लेकर आ सकता है। नौकरी और कारोबार में आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे, लेकिन कुछ राशियों को आज महत्वपूर्ण फैसले लेते समय धैर्य से काम लेना होगा। आइए जानते हैं मेष से मीन तक सभी 12 राशियों के लिए कैसा रहेगा आज

मेष

आज धन की जरूरत महसूस हो सकती है, लेकिन अच्छी बात यह है कि आमदनी के रास्ते भी मजबूत रहेंगे। निवेश करने का मन जरूर बनेगा, मगर आज जल्दबाजी से बचना ही समझदारी होगी। प्रेम और संतान से जुड़ी खुशियां मन को प्रसन्न रखेंगी और व्यापार में भी स्थिति अच्छी रहेगी। हरी वस्तु का दान करना शुभ रहेगा।

वृषभ

आज ऊर्जा थोड़ी कम महसूस हो सकती है, लेकिन किसी बड़ी परेशानी के संकेत नहीं हैं। आपका प्रिय व्यक्ति आपके बेहद करीब रहेगा और संतान से भी सुखद जुड़ाव महसूस होगा। व्यापार और कामकाज के लिहाज से दिन काफी सकारात्मक है। दिन की शुरुआत शनिदेव के स्मरण से करें।

मिथुन

आज मन में अनावश्यक चिंताएं जगह बना सकती हैं और बेचैनी के कारण सिरदर्द या आंखों में परेशानी महसूस हो सकती है। हालांकि प्रेम और संतान से जुड़े मामलों में परिस्थितियां आपका साथ देंगी। व्यापार में भी अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। अपने पास कोई हरी वस्तु रखना शुभ रहेगा।

कर्क

आज स्वास्थ्य थोड़ा सुस्त और मन कुछ बुझा-बुझा सा रह सकता है, इसलिए खुद पर अतिरिक्त दबाव न डालें। आर्थिक रूप से दिन उम्मीद जगाने वाला है, क्योंकि कमाई के नए रास्ते खुल सकते हैं और पुराने स्रोतों से भी धन आता रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं और प्रेम तथा संतान का साथ मन को सुकून देगा। लाल वस्तु अपने पास रखना शुभ रहेगा।

सिंह

आज कामकाज और व्यापार के मोर्चे पर आपकी स्थिति मजबूत रहेगी। किसी पुराने कानूनी या कोर्ट-कचहरी से जुड़े मामले में राहत अथवा विजय की संभावना बन सकती है। स्वास्थ्य में सुधार होगा और प्रेम तथा संतान से भी सुखद सहयोग मिलेगा। अपने पास हरी वस्तु रखना लाभकारी रहेगा।

कन्या

आज प्रेम के मामले में दिल को खास खुशी मिल सकती है। भाग्य आपके पक्ष में रहेगा और यात्रा का भी योग बन रहा है। यदि आप विवाहित हैं तो जीवनसाथी के साथ नजदीकियां बढ़ेंगी और लंबे समय से चली आ रही गलतफहमियां या परेशानियां दूर हो सकती हैं। नीली वस्तु अपने पास रखना शुभ रहेगा।

तुला

आज का दिन थोड़ा संभलकर चलने का है। परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल नहीं हैं, इसलिए जल्दबाजी और लापरवाही से बचें। चोट-चपेट या अचानक किसी परेशानी की आशंका के कारण स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। हालांकि प्रेम, संतान, नौकरी और जीवनसाथी से जुड़े मामले राहत देने वाले रहेंगे। लाल वस्तु का दान करना शुभ होगा।

वृश्चिक

आज आपके लिए खुशियों से भरा दिन रह सकता है। जीवनसाथी का भरपूर सानिध्य मिलेगा और नौकरी या कामकाज में भी परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात संभव है। स्वास्थ्य, प्रेम और व्यापार तीनों मोर्चों पर दिन शानदार रहने के संकेत हैं। लाल वस्तु पास रखना शुभ रहेगा।

धनु

आज आप अपने विरोधियों और शत्रुओं पर दबाव बनाए रखने में सफल रहेंगे, हालांकि मन में कुछ बेचैनी या व्यवधान बना रह सकता है। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी जरूरी है। अच्छी बात यह है कि प्रेम और संतान से भरपूर सुख मिलेगा और व्यापार में भी शानदार परिणाम मिल सकते हैं। लाल वस्तु पास रखें।

मकर

आज भावनाओं के प्रभाव में आकर कोई बड़ा फैसला लेने से बचें। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन प्रेम और संतान से जुड़े मामलों में स्थिति सामान्य से थोड़ी कमजोर रह सकती है। इसके बावजूद व्यापार के लिए दिन बेहद अच्छा है और यहां आपको उम्मीद से बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। काली जी का स्मरण करना शुभ रहेगा।

कुंभ

आज जमीन, मकान या वाहन से जुड़ी कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। खरीदारी का प्रबल योग बन रहा है और घर-परिवार में किसी उत्सव या खुशी का माहौल भी बन सकता है। स्वास्थ्य में सुधार होगा और प्रेम, संतान तथा व्यापार से जुड़े मामलों में भी दिन आपका साथ देगा। हरी वस्तु अपने पास रखना शुभ रहेगा।

मीन

आज आपकी मेहनत और साहस दोनों रंग लाएंगे। नौकरी और रोजी-रोजगार में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं, जबकि व्यापार करने वालों के लिए भी सफलता के मजबूत संकेत हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और प्रेम तथा संतान से सुख मिलेगा। कुल मिलाकर कामकाज और व्यापार के लिए दिन बेहद शुभ रहने वाला है। हरी वस्तु पास रखना शुभ रहेगा।

Aaj Ka Love Rashifal

मिथुन और वृश्चिक राशि वालों के रिश्ते में आएगी मिठास, मिल सकता है बड़ा सरप्राइज

11 सितंबर 2026 का लव राशिफल प्यार और रिश्तों के लिहाज से कई राशियों के लिए खास रहने वाला है। किसी को पार्टनर का साथ मिलेगा, तो कुछ लोगों के रिश्तों में गलतफहमियां दूर हो सकती हैं। जानें मेष से मीन तक सभी 12 राशियों के प्रेम जीवन का हाल।

आज का लव राशिफल: प्रेम-प्रसंग के लिहाज से दिन कई राशियों के लिए खास रहने वाला है। ग्रहों की स्थिति का असर व्यक्ति के प्रेम जीवन, रिश्तों और भावनाओं पर देखने को मिल सकता है। जहां कुछ राशि वालों के रिश्ते में प्यार और नजदीकियां बढ़ सकती हैं, वहीं कुछ लोगों को पार्टनर के साथ बातचीत करते समय धैर्य रखने की जरूरत होगी। जो लोग सिंगल हैं, उनके लिए भी किसी खास व्यक्ति से मुलाकात या बातचीत की शुरुआत के योग बन सकते हैं। वहीं शादीशुदा लोगों के लिए जीवनसाथी के साथ रिश्ते मजबूत करने का अच्छा मौका रहेगा। आइए जानते हैं मेष से मीन राशि तक सभी 12 राशियों के लिए 11 सितंबर का दिन प्रेम और रिश्तों के मामले में कैसा रहने वाला है।

साप्ताहिक राशिफल (7 से 13 सितंबर): मेष-सिंह के लिए शुभ, तुला की बढ़ेगी भागदौड़, पढ़ें 12 राशियों का हाल

सितंबर का दूसरा सप्ताह धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद खास रहने वाला है। ऐसे में आइए जानते हैं 07 से 13 सितंबर 2026 तक का साप्ताहिक राशिफल।

सितंबर का दूसरा सप्ताह यानी 7 से 13 सितंबर 2026 ज्योतिषीय दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस दौरान 7 सितंबर को बुध कन्या राशि में प्रवेश करेंगे, हां उसे मजबूत स्थिति में माना जाता है।

इससे बुद्धि, तर्क, व्यापार, शिक्षा और करियर से जुड़े मामलों में सकारात्मक बदलाव के संकेत मिल सकते हैं। वहीं 11 सितंबर को अमावस्या का प्रभाव भी रहेगा, जिससे कई राशियों के लिए नई शुरुआत और योजनाओं में बदलाव के योग बनेंगे। इस सप्ताह कुछ लोगों को आर्थिक और पेशेवर मामलों में लाभ मिल सकता है, जबकि कुछ राशियों को जल्दबाजी और अनावश्यक खर्च से बचना होगा। आइए जानते हैं 7 से 13 सितंबर 2026 तक का साप्ताहिक राशिफल।

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह भी बीते हफ्ते की तरह अत्यंत ही शुभ, लाभप्रद और प्रगतिदायक कहा जाएगा। इस सप्ताह किस्मत के सितारे आप पर पूरी तरह से मेहरबान रहेंगे, जिसके कारण आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मनचाही सफलता प्राप्त होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। अधिकारी वर्ग आपके कामकाज से प्रसन्न रहेगा और सहकर्मी आपका पूरा सहयोग और समर्थन करेंगे। सप्ताह के मध्य में आपको किसी कार्य विशेष के लिए पुरस्कृत किया जा सकता है। इस दौरान आपका मन धार्मिक-सामाजिक कार्यों में ज्यादा लगेगा। युवाओं का अधिकांश समय मौज-मस्ती करते हुए बीतेगा। यदि आप उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत हैं तो उसकी प्राप्ति में आ रही बाधाएं दूर होंगी।

विद्यार्थी वर्ग अध्ययन में एकाग्रता महसूस करेंगे। व्यवसाय की दृष्टि से सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध कहीं ज्यादा शुभ एवं लाभप्रद रहेगा। इस दौरान कारोबारी मामलों में अनुकूलता रहेगी। बाजार में आई तेजी का लाभ उठाने में आप सफल रहेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरीपेशा वर्ग की आय के नये स्रोत बनेंगे। प्रेम प्रसंग में अनुकूलता बनी रहेगी। लव पार्टनर के साथ नजदीकियां और आपसी विश्वास बढ़ेगा। वैवाहिक जीवन सुखमय बना रहेगा।

उपाय: प्रतिदिन स्फटिक के श्रीयंत्र की पूजा और श्री महालक्ष्मी अष्टकं का पाठ करें।

आज का अंक ज्योतिष 11 सितंबर: मूलांक 1 और 3 वालों के लिए शुभ रहेगा दिन, काम को लेकर होगा बड़ा लाभ

11 सितंबर 2026 का आज का अंक ज्योतिष जानें। अंक और ग्रहों के प्रभाव से आज आपका करियर, धन, प्रेम और स्वास्थ्य कैसा रहेगा, साथ ही जानें किस मूलांक के लिए आज का दिन रहेगा शुभ और किसे रहना होगा सावधान।

11 सितंबर अंक ज्योतिष: 11 सितंबर 2026 का दिन अंक ज्योतिष के लिहाज से कई मूलांक वालों के लिए खास संकेत लेकर आया है। अंकों के प्रभाव से आज आपके जीवन में करियर, नौकरी, व्यापार, धन, प्रेम और पारिवारिक मामलों से जुड़े कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं। किसी मूलांक के जातकों को मेहनत का शानदार परिणाम मिल सकता है तो कुछ लोगों को आज जल्दबाजी में फैसला लेने से बचने की सलाह दी जाती है। आइए जानते हैं 11 सितंबर 2026 का अंक ज्योतिष और मूलांक 1 से 9 तक के जातकों के लिए आज का दिन कैसा रहने वाला है। साथ ही जानें आपका शुभ अंक, शुभ रंग और आज के खास ज्योतिषीय संकेत।

सूर्य-केतु युति 2026: 17 सितंबर तक इन राशि वालों का समय रहेगा गोल्डन, करियर-धन में मिलेगा बड़ा लाभ

Surya Ketu Yuti 2026: 17 सितंबर 2026 को सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। तब तक सूर्य-केतु की यह युति प्रभावी रहने वाली है, जिससे कुछ राशियों को विशेष लाभ संभव है। आइए इन लकी राशियों को जानते हैं।

Surya Ketu Yuti 2026: ज्योतिषियों के अनुसार, सूर्य अभी अपनी राशि सिंह में गोचर कर रहे हैं और यहां उनकी युति केतु के साथ बन रही हैं। सूर्य-केतु की यह युति कुछ राशि वालों के लिए विशेष लाभकारी साबित हो सकती है। माना जा रहा है कि, 17 सितंबर 2026 को सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। तब तक सूर्य-केतु की यह युति प्रभावी रहने वाली है। ऐसे में तबतक कुछ राशियों का समय बेहद कल्याणकारी रह सकता है। इस दौरान जातकों को करियर, नौकरी, व्यापार और निवेश से जुड़े मामलों में अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। साथ ही कई अटके कामों में गति आने और नए अवसर मिलने के भी योग बन सकते हैं। आइए जानते हैं कौन-सी राशियां इस दौरान लकी रहने वाली हैं।

मेष राशि

मेष राशि वालों को इस दौरान धन लाभ हो सकता है। करियर में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे और परिवार में खुशियां बनी रहेंगी।

यदि आप किसी काम को लेकर लंबे समय से प्रयास कर रहे थे तो उसमें सफलता मिल सकती है। कारोबार के क्षेत्र में भी सकारात्मक अवसर सामने आ सकते हैं। आपका अधिकांश समय मौज-मस्ती और दोस्तों के साथ बित सकता है। मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो सकती है। पैतृक संपत्ति से आपको अच्छा खासा धन अर्जित करने का मौका मिलेगा।

सिंह राशि

सिंह राशि वालों को नई नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। करियर के मोर्चे पर नई जिम्मेदारी मिलने के भी योग बन रहे हैं, जो भविष्य में आपके लिए लाभकारी साबित हो सकती है। आपका मन धार्मिक-सामाजिक कार्यों में ज्यादा लगेगा। इस दौरान आपके कई काम मनचाहे तरीके से पूरे हो सकते हैं। घर में लंबे समय से अटका कोई जरूरी काम भी पूरा होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और क्षमता की सराहना हो सकती है। ईमानदारी आपके रिश्ते को मजबूत बनाएगी। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता मिलने की संभावना अधिक रहेगी।

शरणार्थी समझ होटल घेरने पहुंचे प्रदर्शनकारी: अंदर निकली पाकिस्तान की अंडर-19 क्रिकेट टीम राज खुला तो मचा बवाल

इंग्लैंड के पोर्ट्समाउथ में पाकिस्तान की अंडर-19 क्रिकेट टीम को शरण मांगने वाले लोगों का समूह समझ लिया गया। करीब 40 विदेशी युवकों के होटल पहुंचने की खबर के बाद प्रदर्शनकारी जुट गए। बाद में पता चला कि होटल में पाकिस्तान की क्रिकेट टीम ठहरी है, जिसके बाद स्थिति शांत हुई। इंग्लैंड के पोर्ट्समाउथ में पाकिस्तान की अंडर-19 क्रिकेट टीम के साथ मैदान से बाहर ऐसी घटना हुई, जिसने सभी को हैरान कर दिया। जिस समूह को देखकर प्रदर्शनकारी होटल के बाहर पहुंच गए थे, वह कोई शरण मांगने वाले लोगों का दल नहीं, बल्कि पाकिस्तान की अंडर-19 क्रिकेट टीम थी। मामला तब साफ हुआ, जब पुलिस और स्थानीय पार्षद ने स्थिति की जानकारी जुटाई। इसके बाद प्रदर्शनकारियों को अपनी गलती का पता चला और भीड़ वहां से चली गई।

होटल के बाहर जुटे 30 से 40 प्रदर्शनकारी

यह पूरा मामला मंगलवार शाम पोर्ट्समाउथ के मैरियट होटल के बाहर हुआ, जहां पाकिस्तान की अंडर-19 टीम ठहरी हुई थी। विदेशी नागरिकों के एक समूह के कोच से पहुंचने की अफवाह ऑनलाइन फैलने के बाद करीब 30 से 40 लोग होटल के बाहर जमा हो गए। शाम करीब साढ़े छह बजे से पहले पुलिस को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस अधिकारियों ने स्थिति की जानकारी लेने के बाद पता लगाया कि जिस समूह को लेकर प्रदर्शनकारी पहुंचे थे, वह वास्तव में पाकिस्तान की अंडर-19 क्रिकेट टीम थी। मामले को शांत कराने में रिफॉर्म पार्टी के पार्षद जॉर्ज मैडग्विक ने मदद की। उन्होंने होटल से संपर्क किया और पाकिस्तान की टीम के कोच से बात की। इसके बाद उन्होंने बाहर मौजूद प्रदर्शनकारियों को समझाया कि उन्होंने गलत समूह को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। मैडग्विक ने द गार्जियन से कहा, 'मैंने टीम के कोच से बात की, जो काफी समझदार थे। मैं प्रदर्शनकारियों के पास गया और उनसे कहा, 'आप लोगों से गलती हो गई है, यह एक क्रिकेट क्लब है।'' वे कुछ ही मिनट में वहां से चले गए। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी।

एक तस्वीर से शुरू हुई पूरी गलतफहमी

रिपोर्ट के मुताबिक, इस गलतफहमी की शुरुआत एक तस्वीर से हुई। एक कोच से लोगों के उतरने की तस्वीर ऑनलाइन साझा की गई और उसके बाद वहां मौजूद लोगों की पहचान को लेकर अनुमान लगाए जाने लगे। हालांकि, इस बात की कोई पुष्टि नहीं थी कि वे शरण मांगने वाले लोग थे।

मैडग्विक ने बीबीसी से कहा, 'ऑनलाइन किसी ने लोगों के एक समूह को देखा, जो विदेशी नागरिकों जैसा लग रहा था। उन्होंने कोच से उतरते हुए लोगों की तस्वीर ऑनलाइन डाल दी और यहीं से यह बात शुरू हुई। यह सिर्फ अनुमान था, इसका सच्चाई या तथ्य से कोई लेना-देना नहीं था।'

हैम्पशायर पुलिस ने भी पुष्टि की कि अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से बात की और उन्हें बताया कि उनकी चिंता गलतफहमी पर आधारित थी। किसी अपराध की पहचान नहीं हुई और रात करीब नौ बजे से पहले भीड़ वहां से चली गई।

ईसीबी ने टीम की सुरक्षा की समीक्षा शुरू की

इस घटना पर पोर्ट्समाउथ नॉर्थ की सांसद अमांडा मार्टिन ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'प्रवास को लेकर एक वैध बहस हो सकती है, लेकिन यह तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए, गलत सूचना या अफवाह पर नहीं।' घटना के बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान की अंडर-19 टीम की सुरक्षा और हालचाल की जानकारी ली है। साथ ही, दौरे के बाकी हिस्से के लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है। मैडग्विक ने यह भी कहा कि पोर्ट्समाउथ के लोग पहले से ही ऐसी घटनाओं को लेकर सतर्क हैं। उनके मुताबिक, जिस कंपनी की बस करीब 40 विदेशी लोगों को लेकर आई थी, वही कंपनी पहले शरण मांगने वाले लोगों को भी लेकर आती रही थी। इसी वजह से गलतफहमी पैदा हुई। इंग्लैंड के खिलाफ जारी है पाकिस्तान का दौरा

पाकिस्तान की अंडर-19 टीम अपने इंग्लैंड दौरे पर मुकाबले खेल रही है। टीम ने अरुंडेल में इंग्लैंड अंडर-19 के खिलाफ चार दिवसीय मुकाबला खेला था, जिसमें उसे 10 रन से हार मिली। इसके बाद 9 सितंबर को खेले गए यूथ वनडे में पाकिस्तान ने शानदार वापसी करते हुए 177 रन से जीत दर्ज की। इसी दौरान पाकिस्तान की सीनियर पुरुष टीम भी इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला एजबेस्टन में खेल रही है।

- गलतफहमी का शिकार हुआ प्रदर्शन: स्थानीय प्रदर्शनकारियों का एक समूह शरणार्थियों के आगमन के विरोध में एक होटल के बाहर इकट्ठा हुआ था।
- पाकिस्तान की अंडर-19 टीम: हंगामे के बीच जब सच्चाई सामने आई, तो पता चला कि होटल के अंदर शरणार्थी नहीं, बल्कि पाकिस्तान की अंडर-19 क्रिकेट टीम रुकी हुई है।
- स्थिति तनावपूर्ण: पहचान उजागर होने के बाद मौके पर भारी हंगामा मच गया और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करनी पड़ी।

सुरक्षा इंतजाम और प्रशासनिक प्रतिक्रिया

भारी पुलिस बल की तैनाती: स्थिति को बेकाबू होने से रोकने के लिए स्थानीय पुलिस और सुरक्षा बलों ने तुरंत मोर्चा संभाला और होटल के चारों तरफ मजबूत घेराबंदी कर दी।

खिलाड़ियों की सुरक्षा सर्वोपरि: सुरक्षा एजेंसियों ने खिलाड़ियों को होटल के कमरों के अंदर ही रहने की सख्त हिदायत दी और किसी भी बाहरी व्यक्ति या मीडिया को अंदर जाने से रोक दिया गया, ताकि कोई अप्रिय घटना न घटे।

महिला एशिया कप का सेमीफाइनल:

भारतीय महिला टीम का सामना आज एशिया कप के सेमीफाइनल में बांग्लादेश से है। यह मुकाबला दुबई में खेला जाएगा। रिकॉर्ड और इतिहास को देखें तो भारतीय टीम का पलड़ा काफी मजबूत है, लेकिन हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम कोई जोखिम नहीं उठाना चाहेगी। आइए जानते हैं दोनों टीमों के बीच इस मैच से जुड़ी अहम बातें. सात बार की चैंपियन भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ महिला एशिया कप के पहले सेमीफाइनल में उतरेगी तो कड़ी मैदानी प्रतिद्वंद्विता और दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव की पृष्ठभूमि में होने वाले इस मुकाबले में हरमनप्रीत कौर की टीम का पलड़ा भारी रहेगा। बांग्लादेश में राजनीतिक बदलाव के बाद भारत और बांग्लादेश के राजनयिक संबंध तनावपूर्ण रहे हैं।

ग्रुप में शीर्ष पर रहा था भारत

मौजूदा राजनीतिक तनाव के कारण भारतीय पुरुष टीम का बांग्लादेश दौरा कई बार स्थगित हो चुका है। जहां तक क्रिकेट का सवाल है तो भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रही है और सारे मैच जीतकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। ग्रुप चरण में भारत ने पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 55 रन पर समेटकर सात विकेट से जीत हासिल की । भारतीय बल्लेबाजी काफी मजबूत रही है और स्मृति मंधाना ने हांगकांग के खिलाफ 64 गेंद में 124 रन बनाकर फिर साबित कर दिया कि उन्हें आधुनिक दौर के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में क्यो गिना जाता है। महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 3000 रन पूरे करने वाली विस्फोटक बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने टीम को अच्छी शुरूआत देकर पावरप्ले में विरोधी टीमों को दबाव में रखा है। मध्यक्रम में कप्तान हरमनप्रीत और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने आखिरी ओवरों में अच्छे रन बनाए हैं। गेंदबाजी में भारत के पास विविधता और गहराई है। दीप्ति शर्मा महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई हैं। उन्होंने राधा यादव और श्री चरणी के साथ मिलकर हर मैच में स्पिन का जाल बखूबी बुना है। तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर के पास भी नई गेंद से टीम को शुरुआती सफलताएं दिलाने की क्षमता है।

दूसरी ओर बांग्लादेश ने यूएई को 34 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

टी20 सीरीज: क्या अफगानिस्तान के खिलाफ खेल पाएंगे सुंदर-नीतीश?

फिटनेस टेस्ट का क्या हुआ? बुमराह-राणा पर सस्पेंस

अफगानिस्तान के खिलाफ 13 सितंबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज से पहले भारत को अच्छी खबर मिली है। वॉशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेड्डी फिट होकर टीम से जुड़ने वाले हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह और हर्षित राणा की उपलब्धता पर अभी स्थिति साफ नहीं है। अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज शुरू होने से पहले भारतीय टीम को दो बड़ी राहत मिली हैं, लेकिन साथ ही दो अहम खिलाड़ियों को लेकर सस्पेंस भी बना हुआ है। चोट के कारण लंबे समय से टीम से बाहर चल रहे वॉशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेड्डी पूरी तरह फिट हो चुके हैं और उनके आगामी सीरीज में खेलने की संभावना है। दोनों गुरुवार को नई दिल्ली में भारतीय टीम के साथ जुड़ेंगे।

बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बंगलूरू में दोनों खिलाड़ियों ने फिटनेस टेस्ट और मैच सिमुलेशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। घटनाक्रम पर नजर रखने वाले एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से कहा, 'सुंदर और रेड्डी दोनों कुछ समय पहले ही पूरी तरह फिट हो गए थे। दोनों ने बंगलूरू स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस टेस्ट और मैच सिमुलेशन पास कर लिया है।' वॉशिंगटन सुंदर को जुलाई में कार्डिफ में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट लगी थी। इसी वजह से वह हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ हुई

वहीं नीतीश कुमार रेड्डी ने भारत के लिए आखिरी मुकाबला जून में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के दौरान खेला था। इसके बाद बाएं क्वाड्रिसेप्स में चोट बढ़ने के कारण वह आयरलैंड, इंग्लैंड और श्रीलंका के दौरों से बाहर हो गए थे। भारत के लिए चिंता की बात यह है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के सीरीज में शामिल होने को लेकर अभी कोई पक्की जानकारी नहीं है। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में फील्डिंग के दौरान घुटने में लगी चोट के बाद से वह मैदान से बाहर हैं।

इसके अलावा तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हर्षित राणा की फिटनेस पर भी नजरें हैं। वह जुलाई में इंग्लैंड दौरे के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे हैं। अगर बुमराह या हर्षित में से कोई भी टीम से नहीं जुड़ता है तो स्थानीय तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को आखिरी समय में टीम में शामिल करने का विकल्प मौजूद है।

अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज 13 सितंबर से शुरू होगी। यह दोनों टीमों के बीच टी20 प्रारूप में पहली द्विपक्षीय सीरीज भी होगी। भारत के लिए यह जापान रवाना होने से पहले तैयारी का अहम मौका है। भारत 22 सितंबर को जापान के खिलाफ सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में एकमात्र टी20 मुकाबला खेलेगा

क्रिकेट के 3 अनसुने किस्से: जब सर विवियन ने बॉल का वजन पूछा गांगुली ने वॉ को तड़पाया मियांदाद की निकली हेकड़ी

क्रिकेट में मुकाबला सिर्फ बल्ले और गेंद का नहीं होता, मैदान पर खिलाड़ियों के बीच जुबानी जंग भी खूब देखने को मिलती है। कई बार स्लेजिंग का जवाब ऐसा मिलता है कि सामने वाला खिलाड़ी निरुत्तर हो जाता है। विव रिचर्ड्स, सौरव गांगुली और जावेद मियांदाद से जुड़े तीन ऐसे ही मजेदार किस्से क्रिकेट प्रेमियों को खूब गुदगुदाते हैं। क्रिकेट के मैदान पर चौके-छक्कों और विकेटों का रोमांच तो सभी देखते हैं, लेकिन खेल के दौरान खिलाड़ियों के बीच होने वाली नोकझोंक भी कम दिलचस्प नहीं होती। क्रिकेट की भाषा में इसे 'स्लेजिंग' कहा जाता है। अक्सर गेंदबाज बल्लेबाज का ध्यान भटकाने के लिए कुछ कहता है, लेकिन कई बार मामला उल्टा पड़ जाता है और जवाब ऐसा मिलता है कि स्लेजिंग करने वाले के पास कोई जवाब नहीं होता है। क्रिकेट इतिहास में ऐसे कई किस्से हैं, जो मुकाबले से ज्यादा खिलाड़ियों के मजेदार जवाबों के लिए याद किए जाते हैं। आइए जानते हैं ऐसे ही तीन किस्से, जिनमें मैदान पर हुई जुबानी जंग ने खूब सुर्खियां बटोरीं। सर विवियन रिचर्ड्स का खौफ ऐसा था कि अच्छे-अच्छे गेंदबाज उनके सामने आने से कतराते थे। एक इंग्लिश काउंटी मैच के दौरान ग्लेमोर्गन के तेज गेंदबाज ग्रेग थॉमस ने रिचर्ड्स की टांग खींचने की कोशिश की। रिचर्ड्स क्रीज पर आए और शुरुआती कुछ गेंदों पर बीट हुए। इसके बाद थॉमस ने कहा, 'विव, यह लाल रंग की गोल चीज है

रिचर्ड्स ने इसका कोई जवाब नहीं दिया। लेकिन अगली ही गेंद पर उन्होंने ऐसा गगनचुंबी छक्का लगाया कि गेंद स्टेडियम के बाहर नदी में जा गिरी। इसके बाद रिचर्ड्स ने थॉमस की तरफ देखा, मुस्कुराए और कहा, 'गेंद का वजन और रंग तो तुम्हें पता ही है, अब जाओ और उसे बाउंड्री के बाहर से ढूंढकर लाओ।' थॉमस के लिए यह जवाब सुनना किसी करारे पलटवार से कम नहीं था।

2001 की भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज क्रिकेट इतिहास की सबसे महान सीरीज में से एक मानी जाती है। उस समय ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव वॉ अपनी 'माइंड गेम्स' और स्लेजिंग के लिए मशहूर थे। भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने भी इसका जवाब अपने अंदाज में देने का फैसला किया। विशाखापत्तनम में टॉस का समय सुबह 8:30 बजे था। स्टीव वॉ पूरी तरह तैयार होकर ब्लेजर पहनकर पिच पर पहुंच गए, लेकिन गांगुली वहां नहीं थे। स्टीव वॉ धूप में खड़े होकर इंतजार करते रहे।

गांगुली काफी देर बाद आराम से अपना ब्लेजर ढूंढते हुए पहुंचे। इस तरह उन्होंने स्टीव वॉ को इंतजार कराया और उन्हें धूप में खड़ा रहना पड़ा। गांगुली ने बाद में हंसते हुए कबूल किया था कि उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम के घमंड को तोड़ने और स्टीव वॉ को सबक सिखाने के लिए ऐसा कई बार किया था।

साल 1991 का एडिलेड टेस्ट। ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर इयान हीली और महान बल्लेबाज जावेद मियांदाद के बीच हमेशा से छत्तीस का आंकड़ा रहा था। इसी दौरान मियांदाद क्रीज पर थे और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मर्व ह्यूज गेंदबाजी कर रहे थे। मियांदाद ने मर्व ह्यूज को चिढ़ाने के लिए कहा, 'मर्व, तुम बहुत मोटे हो। तुम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर नहीं, बल्कि बस एक बस ड्राइवर जैसे लगते हो।'

मर्व ह्यूज ने उस समय कोई जवाब नहीं दिया। लेकिन कुछ ओवर बाद उन्होंने मियांदाद को क्लीन बोल्ड कर दिया। मियांदाद के पवेलियन की तरफ मुड़ते ही मर्व ह्यूज उनके पीछे भागे और चिल्लाए, 'टिकट प्लीज! अपनी बस की टिकट दिखाते जाओ!' इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हंसने लगे। मैदान पर हुई यह नोकझोंक क्रिकेट के मजेदार किस्सों में शामिल हो गई। पाकिस्तान के बल्लेबाज जावेद मियांदाद अपने आक्रामक रवैये और मैदान पर स्लेजिंग (Sledging) के लिए कुख्यात थे। भारत-पाकिस्तान मुकाबलों के दौरान वे अक्सर विपक्षी खिलाड़ियों को ताने मारते थे।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।

आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।

– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300